P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 अंक: 42 नई दिल्ली, मंगलवार , 12 मई 2026 Email.timesofpedia@gmail.com पृष्ठ: 12 मूल्य : 01 ./-

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में भारतीय की मौत के बाद ऐक्शन में सरकार

● अब ब्रिक्स के मंच पर ईरान से होगी भारत की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव और हाल ही में यहां गुजरात की एक नाव डूबने से एक भारतीय की मौत के बाद भारत सरकार ऐक्शन में आ गई है। भारत इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स के शेरपा और विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इस मुद्दे को उठाएगा और ईरान से इस पर बातचीत करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच अहम बैठक होगी जहां भारत अपने फंसे हुए जहाजों को निकालने और सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित

कराने के लिए ईरान से बातचीत करेगा। बता दें कि दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों से से एक होर्मुज में बीते मार्च महीने से ही तनाव जारी है। अमेरिका और ईरान दोनों ने ही इस रास्ते पर प्रतिबंध लगा दिए हैं जिससे जहाजों की आवाजाही ठप हो गई है। भारत के लिए यह रास्ता बेहद अहम है क्योंकि युद्ध शुरू होने से पहले भारत के कच्चे तेल आयात का 40 फीसदी और एलपीजी आयात का 90 फीसदी हिस्सा यहीं से गुजरता था। भारत के 11 जहाज ही यहां से बाहर निकल पाए हैं, जबकि 13 जहाज फंसे हैं।

केरल में सीएम को लेकर शुरू हो गया पोस्टरवार

● टेंशन में कांग्रेस, मुख्यमंत्री की रेस में हैं तीन नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर तीन दावेदार बताए जा रहे हैं। पहला नाम है वीडी सतीशन, दूसरा केसी वेणुगपाल और तीसरा नाम रमेश चेन्निथला का है। इन नामों को लेकर सड़कों पर पोस्टरवार भी शुरू हो गया है जिससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अप्रैल महीने में देश के पांच राज्यों में चुनाव करवाए गए। दो राज्यों को उनके मुख्यमंत्री मिल चुके हैं। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं तो वहीं रविवार को

तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय ने भी अपना पद संभाल लिया। मंगलवार को असम में हिमंत बिस्व सरमा शपथ लेने वाले हैं लेकिन अभी केरल में मुख्यमंत्री के नाम पर ही फैसला नहीं हो पाया है। यहां कांग्रेस के अगुआई वाले गठबंधन यूडीएफ की जीत हुई है और ऐसे में कांग्रेस को ही मुख्यमंत्री को लेकर फैसला करना है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि मुख्यमंत्री का फैसला शीर्ष नेतृत्व को करना है और इसका फैसला भी हो चुका है। केवल अब नाम का ऐलान करना बाकी रह गया है।

ट्रम्प ने जंग रोकने के लिए ईरान का प्रस्ताव ठुकराया

● बोले-मुझे पसंद नहीं आया, अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकर नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक,

प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा।

दुर्लभ बिल्ली ने बकरी मारी ...तो राजस्थान सरकार देगी बकरी

● शिकार के शक में जलाकर मार दी थी कैरेकल, अब खुलेगा प्रदेश में पहला गोट बैंक

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में दुर्लभ वन्यजीव कैरेकल कैट (सियागोश) को बचाने के लिए वन विभाग प्रदेश का पहला 'गोट बैंक' (बकरी बैंक) शुरू करने जा रहा है। यह कदम मार्च 2026 में हुई उस दिल दहला देने वाली घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें ग्रामीणों ने अपनी 50 बकरियों के शिकार के शक में एक दुर्लभ कैरेकल को जिंदा जला दिया था। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर तैयार इस प्रोजेक्ट का मकसद रिवेंज किलिंग (बदले की हत्या) को रोकना है। अब अगर कैरेकल किसी की बकरी का शिकार करेगा, तो विभाग कार्रवाई के बजाय सीधे नई बकरी देगा।

बॉर्डर इलाके में कैरेकल कैट की अच्छी संख्या

डीएफओ शुभम कुमार कहते हैं- फील्ड सर्वे से यह पूरी तरह साफ हो गया है कि भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब स्थित सरहदी इलाकों में कैरेकल कैट की अच्छी मौजूदगी है। अब केंद्र और राज्य सरकार इनके संरक्षण पर खास ध्यान दे रही हैं। कैरेकल उन जीवों में शामिल है, जो लुप्त होने की कगार पर हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा अब वन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है।

50 बकरियों के बदले जला दी कैरेकल

मार्च 2026 में जैसलमेर के सरहदी इलाके में एक जला हुआ कैरेकल मिला था। ग्रामीणों ने वीडियो भी वायरल किया था पूछताछ में सामने आया कि कैरेकल ने ग्रामीणों की करीब 50 बकरियां मार दी थीं। गुस्से में ग्रामीणों ने पैरों के निशान का पीछा किया और कैरेकल को घेरकर मार डाला। भारत में अब महज 50 कैरेकल बचे हैं, जिनमें से जैसलमेर में सिर्फ 4 के कुनबे की पुष्टि हुई है। जैसलमेर के डीएफओ शुभम कुमार कहते हैं- हमारा टारगेट इंसानों और कैरेकल के बीच के संघर्ष को कम से कम करना है। सरहदी इलाकों में इनकी मौजूदगी हमारे इकोसिस्टम के लिए गर्व की बात है। हम चाहते हैं कि ग्रामीण इन्हें दुश्मन न समझें। कैरेकल एक शर्मीला लेकिन बेहद फुर्तीला शिकारी है। जब किसी पशुपालक का मवेशी मरता है, तो उसे आर्थिक चोट लगती है।

पोकरण परमाणु परीक्षण से हिल गई थी दुनिया

● पीएम बोले-विश्वभर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरीं, हम डटे रहे, डरे नहीं

सोमनाथ मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए मोदी

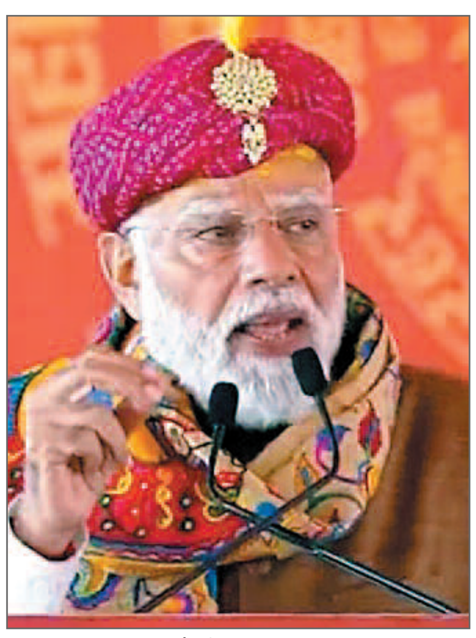

जामनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। पीएम ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु

परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं।

पीएम बोले- भारत को कोई झुका नहीं सकता- सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे। भारत में विरासत और आधुनिकता एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, दोनों साथ-साथ चलते हैं। हमारे देश में सांस्कृतिक और पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं। लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार-बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही दबा सकती है।

वाजपेयी सरकार में हुआ था दूसरा परमाणु परीक्षण

11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे।

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

● सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं। उन्होंने कहा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।' दरअसल पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा बच सके।

बीएसएफ को मिलेगी बांग्लादेश बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन

● बंगाल की भाजपा सरकार का फैसला, नए आपराधिक कानून लागू होंगे, आयुष्मान पर भी काम शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए बीएसएफ को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित बीजेपी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। सीएम अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने राज्य में पुराने आईपीसी और सीआरपीसी की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता को लागू नहीं किया था।

राज्य में अब बीएनएस लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी।

सुवेंदु कैबिनेट की बैठक के बड़े फैसले

चुनावी हिंसा में मारे गए 321 बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसे 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना समेत केंद्र की सभी योजनाएं जल्द ही लागू होंगी। उज्ज्वला योजना से जुड़ी सभी लंबित याचिकाएं केंद्र के पास भेजी गई हैं।

बंगाल में 'राम' की जीत में 'वाम' का हाथ

● टीएमसी से परेशान कम्युनिस्ट वोटरों ने चुनी भगवा राह!

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने न केवल सत्ता बदली है, बल्कि राज्य के दशकों पुराने राजनीतिक समीकरणों को भी उलट दिया है। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। वामपंथी मतदाताओं का बड़े पैमाने पर भाजपा की ओर झुकाव देखने को मिला है। इसे राज्य में 'एबार राम, पोरे बाम' (इस बार राम, अगली बार वाम) के नारे के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर से ममता बनर्जी को हराने के बाद अपने विजय भाषण में वामपंथी मतदाताओं का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भवानीपुर में माकपा के पास 13,000 वोट थे, जिनमें से कम से कम 10,000 वोट मुझे मिले। मैं माकपा मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

क्यों हुआ 'वाम' से 'दक्षिण' की ओर पलायन

2011 में सत्ता से हटने के बाद से तृणमूल कांग्रेस ने वामपंथी कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर भारी दबाव बनाया। उनके दफ्तर छीने गए और कई कार्यकर्ताओं को हिंसा का सामना करना पड़ा। ऐसे में वाम समर्थकों ने भाजपा को एक 'लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी' के रूप में देखा, जो उन्हें टीएमसी के खिलाफ सुरक्षा दे सकती थी। 2018 के पंचायत चुनावों में हुई व्यापक हिंसा और माकपा कार्यकर्ताओं की हत्याओं ने कैडरों को यह विश्वास दिला दिया कि टीएमसी ही उनकी असली दुश्मन है। यहीं से वामपंथी वोटों का भाजपा की ओर स्थानांतरण शुरू हुआ। चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की भारी तैनाती ने वामपंथी समर्थकों को बिना किसी डर के वोट डालने का साहस दिया। इंडिया टुडे से बात करते हुए माकपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस बार वे टीएमसी के डर के बिना मतदान कर सके।

वाम का पतन, भाजपा का उदय

पश्चिम बंगाल में वामपंथ का ग्राफ लगातार नीचे गिरा है, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। माकपा का वोट शेयर जो 2011 में 41.09 फीसदी था, वह 2026 के विधानसभा चुनाव में गिरकर मात्र 4.4 फीसदी रह गया। लोकसभा 2019 में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भी सीताराम येचुरी ने माना था कि वामपंथ का आधार वोट भाजपा की ओर खिसक गया है। 2026 के चुनाव में भाजपा ने जादवपुर, उत्तरपारा और दमदम उत्तर जैसी सीटों पर जीत दर्ज की, जो कभी वामपंथ के गढ़ हुआ करते थे। यहां तक कि दीप्सिता धर और मीनाक्षी मुखर्जी जैसे युवा वामपंथी चेहरे भी चुनाव हार गए। वामपंथी समर्थकों का मानना है कि यह विचारधारा का बदलाव नहीं, बल्कि एक युद्ध रणनीति (फाइटर की तरह) है। एक दिन हार मानकर पीछे हटना ताकि भविष्य की बड़ी लड़ाई के लिए बचा जा सके। उनका तर्क है कि एक बार टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई, तो वे वापस अपने 'लाल झंडे' की ओर लौट आएंगे।

क्या होगा वामपंथ का भविष्य

टीएमसी की विदाई के बाद अब वामपंथी दल अपने अस्तित्व को फिर से तलाश रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जहां वामपंथी कार्यकर्ता अपने उन दफ्तरों को फिर से खोल रहे हैं जो टीएमसी के कब्जे में थे। कुछ जगहों पर भाजपा नेताओं की मौजूदगी में ये दफ्तर वापस किए गए। हालांकि विधानसभा में वामपंथ की स्थिति कमजोर है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार दिखा है। माकपा ने मुर्शिदाबाद की सीट जीती है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

75 वर्षों में राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना सोमनाथ

सौरभ वार्ष्णेय

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक चेतना, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी महत्वपूर्ण क्षण है। आज जब देश इस गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कर रहा है, तब यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि केंद्र की भारत सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनर्स्थापन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की अदम्य शक्ति और सनातन परंपरा की अमर गाथा है।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

इन 75 वर्षों में सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को जिस प्रकार गति दी है, वह उल्लेखनीय है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या में राम मंदिर और केदारनाथ पुनर्विकास जैसे अनेक प्रकल्प इस सोच को मजबूत करते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही विश्व में नई पहचान बना सकता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सोमनाथ बारह ज्योतिलिंगों में प्रथम माना जाता है। कहा जाता है कि चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां अपने श्राप से मुक्ति पाई थी, इसी कारण इसका नाम सोमनाथ पड़ा। अरब सागर के तट पर

स्थित यह मंदिर प्राचीन काल से श्रद्धा और व्यापार दोनों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार इसका उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों और यात्रावृांतों में मिलता है।

सोमनाथ का इतिहास जितना गौरवपूर्ण है, उतना ही संघर्षपूर्ण भी। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनी ने इस मंदिर पर आक्रमण कर इसकी अपार संपदा लूटी और मंदिर को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भी विभिन्न कालखंडों में कई विदेशी आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। लेकिन हर विनाश के बाद भारतीय समाज ने इसे फिर से खड़ा किया। यही तथ्य दशार्ता है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को केवल पत्थरों को तोड़कर समाप्त नहीं किया जा सकता। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्थापत्य ने इसकी गरिमा को और बढ़ाया है। साथ ही यह मंदिर भारत को यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता दिखाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कई बार यह कहा है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक ओर आधुनिक आधारभूत संरचना पर बल दिया, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मंदिरों, तीर्थों और सांस्कृतिक केंद्रों के संरक्षण को भी महत्व दिया। सोमनाथ मंदिर परिसर का आधुनिकीकरण, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी दृष्टि का हिस्सा है।

हालांकि, इस अवसर पर यह भी आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रह जाए। मंदिरों और तीर्थ स्थलों के विकास के साथ-साथ देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी समान गंभीरता से आगे बढ?ा होगा। राष्ट्रीय गौरव तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष भारत की उस अटूट चेतना का प्रमाण हैं, जिसने सदियों के संघर्ष के बाद भी अपनी पहचान को जीवित रखा। यह अवसर केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की सांस्कृतिक दिशा तय करने का भी है। यदि विरासत और विकास का संतुलन बना रहा, तो भारत विश्व मंच पर अपनी सभ्यतागत शक्ति के रूप में और अधिक मजबूती से उभरेगा। आज जब भारत विश्व मंच पर अपनी नई पहचान बना रहा है, तब सोमनाथ जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक केंद्र देश की सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करते हैं। पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में भी ऐसे तीर्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी धरोहरों के संरक्षण, स्वच्छता और ऐतिहासिक महत्व को आने वाली पीढि?ों तक पहुँचाने का कार्य गंभीरता से करें।

सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष हमें यह याद दिलाते हैं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास में निहित होती है। समय बदलता है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन जो सभ्यता अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है, वह सदैव मजबूत बनी रहती है। सोमनाथ इसी अमर भारतीय चेतना का प्रतीक है। वर्तमान समय में जब इतिहास और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नई बहसें चल रही हैं, तब सोमनाथ का इतिहास हमें संतुलित दृष्टि अपनाने की प्रेरणा देता है। यह मंदिर प्रतिशोध का नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का संदेश देता है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है, और सोमनाथ उसी निरंतरता का जीवंत प्रतीक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

चुनावी शोर के बाद संकट का दौर!

ईरान युद्ध और वैश्विक तेल संकट की आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया भाषण देश में नई बहस छेड़ गया है। सिकंदराबाद में दिए गए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने लोगों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोना कम खरीदने, विदेश यात्राएं टालने और खाने के तेल का कम इस्तेमाल करने की अपील की। सरकार इसे वैश्विक संकट के दौर में राष्ट्रहित का कदम बता रही है, लेकिन विपक्ष और कई विशेषज्ञ इसे आने वाले आर्थिक दबाव की चेतावनी मान रहे हैं। दरअसल, ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट में तनाव लगातार बढ़ रहा है। दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई इसी समुद्री मार्ग से गुजरती है और भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक इस रास्ते पर निर्भर है। अगर हालात लंबे समय तक बिगड़ते हैं, तो भारत में पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद और खाने के तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में लोगों से ॒संयमॗ बरतने की अपील की, लेकिन आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि अगर हालात इतने गंभीर थे, तो चुनावी रैलियों में इस संकट का जिक्र क्यों नहीं किया गया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार अब आर्थिक चुनौतियों का बोझ जनता पर डाल रही है। राहुल गांधी और प्रियंका चतुर्वेदी जैसे नेताओं ने कहा कि सरकार जनता को त्याग का संदेश देने के बजाय खुद सरकारी खर्च और नेताओं के बड़े-बड़े काफि लों पर रोक लगाए। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री का यह बयान केवल सलाह नहीं, बल्कि आने वाले कठिन आर्थिक दौर का संकेत भी हो सकता है। बढ़ती महंगाई, कमजोर होता रुपया और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव भारत की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन सकते हैं। ऐसे में सवाल यही है कि क्या देश वास्तव में बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, या यह केवल एहतियात की राजनीति है।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता है, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त।

झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चचाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी शृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

दिल्ली में सजेगा प्रेरणा और गौरव का मंच: 'मिस्टर, मिस एंड मिसेज इंडिया 2026' और 'ग्लोबल प्राइड अवार्ड्स' का भव्य आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी) राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (मावलंकर ऑडिटोरियम) में 17 मई 2026 को महिला सशक्तिकरण, देशभक्ति और सामाजिक एकता का एक अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। यहाँ मिस्टर, मिस एंड मिसेज इंडिया 2026 इंस्पिरेशन पेजेंटर के साथ-साथ ग्लोबल प्राइड अवार्ड्स 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। प्रमुख आयोजक और प्रायोजक इस शानदार प्रतियोगिता का आयोजन 'क्वीन ऑफ हार्ट्स' और 'इंस्पिरेशन पेजेंट्स' की संस्थापक, प्रसिद्ध पेजेंट कोच पूनम बिष्ट द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम का मुख्य प्रायोजक (Title Sponsor) हडत्रॄ कंपनी है, जबकि ूमन प्राइड ग्रुप द्वारा इसे संचालित (Powered by) किया जा रहा है। उपलब्धियों का सम्मान: ग्लोबल प्राइड अवार्ड्स डॉ. राकेश गोयल तिगरानिया द्वारा आयोजित 'ग्लोबल प्राइड अवार्ड्स 2026' में भारत भर की लगभग 251 महिला उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान और समाज के प्रति उनकी समर्पित सेवा के लिए दिया जाएगा। विशेष आकर्षण: कन्यादान सोशल कैंपेन और बॉलीवुड नाइट
नया गीत लॉन्च: शाम का एक मुख्य आकर्षण 'कन्यादान' सामाजिक अभियान के तहत महिलाओं को समर्पित एक विशेष गीत का विमोचन होगा। प्रसिद्ध गायक राम कुमार लखा द्वारा प्रस्तुत यह गीत महिलाओं की गरिमा, गर्व और सम्मान का प्रतीक है। बॉलीवुड का तड़का: कार्यक्रम का समापन एक धमाकेदार 'बॉलीवुड नाइट' के साथ होगा, जिसमें 'आशिकी' फिल्म फेम प्रसिद्ध अभिनेता राहुल रॉय शिरकत करेंगे। वीर नारियों का सम्मान और देशभक्ति इस समारोह का सबसे भावुक और गौरवशाली हिस्सा 11 वीर नारियों का अभिनंदन होगा। सेना के वरिष्ठ जनरल अधिकारियों द्वारा इन वीरांगनाओं को सम्मानित किया जाएगा, जो सैन्य परिवारों के साहस और राष्ट्र के प्रति उनके बलिदान को एक सलाम होगा। प्रतिभा और अवसर देशभर से आए प्रतिभागी मिस्टर, मिस और मिसेज इंडिया 2026 के विभिन्न श्रेणियों में अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पेजेंट के कोरियोग्राफर श्वेतांक प्रकाश चतुर्वेदी हैं। इस शो के मुख्य अतिथि मेजर जनरल बख्शी होंगे। ₹यह मेगा इवेंट गणमान्य व्यक्तियों, रक्षा कर्मियों और समाजसेवियों का एक ऐसा 'संगम' होगा, जहाँ उत्कृष्टता, मानवता और सामाजिक योगदान को एक साथ सराहा जाएगा।₹ मिस्टर, मिस एंड मिसेज इंडिया 2026 इंस्पिरेशन पेजेंट और ग्लोबल प्राइड अवार्ड्स न केवल प्रतिभा को मंच प्रदान करेगा, बल्कि महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय गौरव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में भी उभरेगा।

संक्षिप्त डायरी

नोएडा में फूड वैन के लिए बनेंगे वेंडिंग जोन:सड़क पर नहीं हो सकेंगे खड़े

नोएडा (एजेंसी) में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्थित तरीके से खड़ी होने वाली फूड वैन को अब नियमित किया जाएगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण शहर में विशेष फूड वैन वेंडिंग जोन विकसित करने की तैयारी कर रहा है। इन स्थानों पर केवल फूड वैन को ही कारोबार करने की अनुमति होगी। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक शहर में पहले से वेंडर्स के लिए कई वेंडिंग जोन बनाए गए हैं, लेकिन फूड वैन की लगातार बढ़ती संख्या के कारण ट्रैफिक और अव्यवस्था की समस्या बढ़ रही है। सड़क किनारे लग रही फूड वैन से बढ़ रही परेशानी अधिकारियों का कहना है कि कई जगह सड़क किनारे खड़ी फूड वैन के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए अलग से फूड वैन जोन बनाने की योजना तैयार की गई है। सर्वे के बाद चिन्हित होंगे स्थान नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदू प्रकाश सिंह ने बताया कि जल्द ही शहरभर में फूड वैन का सर्वे कराया जाएगा।सर्वे के आधार पर ऐसे स्थान चिन्हित किए जाएंगे, जहां स्ट्रीट फूड जोन की तर्ज पर फूड वैन संचालित की जा सकें। इन जोन में साफ-सफाई, पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाएगा। रजिस्ट्रेशन होगा अनिवार्य प्राधिकरण के अनुसार फूड वैन संचालकों को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद उन्हें निर्धारित स्थान आवंटित किए जाएंगे। इसके लिए संचालकों से मासिक शुल्क भी लिया जा सकता है। केवल नियमों का पालन करने वाली फूड वैन को ही अधिकृत जोन में कारोबार करने की अनुमति मिलेगी। प्राधिकरण का मानना है कि नई व्यवस्था से स्ट्रीट फूड कारोबार व्यवस्थित होगा और ट्रैफिक व अतिक्रमण की समस्या पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

ग्रेटर नोएडा में चाचा-भतीजे पर जानलेवा हमला:पुरानी रंजिश में 6 नामजद समेत अन्य पर केस दर्ज

नोएडा (एजेंसी) नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित उस्मानपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते चाचा-भतीजे पर हमला किया गया है। इस हमले में चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर छह नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित असलम ने पुलिस को दी अपनी शिका त में बताया कि उनका 13 वर्षीय बेटा अनस शनिवार रात ट्यूशन पढ़कर घर लौट रहा था। आरोप है कि रास्ते में गांव के कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के कारण उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। किसी तरह घर पहुंचने पर अनस ने इस घटना की जानकारी अपने चाचा इरफान को दी। इसके बाद इरफान, अनस और एक अन्य व्यक्ति आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंचे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद लोगों ने पीड़ित पक्ष पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में अनस और इरफान गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तत्काल दोनों को अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद इरफान की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल रेफर कर दिया। इरफान के चेहरे और आंख समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। वर्तमान में वह आईसीयू में भर्ती हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी हसीन, इरफान, फरमान, अफसर, यूनुस, समीम और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में मां-बेटे पर हमला:पुरानी रंजिश में सगे भाई समेत 4 पर केस दर्ज

नोएडा (एजेंसी) दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित अट्टा फतेहपुर गांव में पारिवारिक रंजिश के चलते एक व्यक्ति की पत्नी और बेटे पर हमला किया गया। पीड़ित ने अपने सगे भाई समेत चार लोगों पर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर रविवार को चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।अट्टा फतेहपुर गांव निवासी असरफ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात वह किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उनके सगे भाई और अन्य आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते उनके घर पहुंचकर पत्नी फरजाना और बेटे मोहम्मद कैफ पर हमला कर दिया। इस हमले में मां-बेटा घायल हो गए।पीड़ित के अनुसार, बेटे मोहम्मद कैफ को गंभीर चोटें आई हैं। उसे पहले ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।असरफ ने बताया कि आरोपियों से उनका पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। पुरानी रंजिश के कारण ही इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने असरफ की तहरीर पर आरोपी जरीफ, जुनैद, सुहेल और सैफ अली खान के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि मामले की जांच की जा रही है। फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

नोएडा में पिज्जा बनाते समय युवक ने थूका

नोएडा (एजेंसी) नोएडा में सेक्टर-22 चौड़ा गांव में पिज्जा हंट नाम की दुकान से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक पिज्जा बनाते समय उस पर थूकता हुआ दिखाई दे रहा है। दावा किया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा युवक मुजम्मिल नाम का है, जो उक्त दुकान पर काम करता है। हालांकि वीडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने इसे ग्राहकों की भावनाओं और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की जानकारी मिलते हिंदू संगठनों ने भी इसका विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई। वायरल वीडियो के आधार पर जांच वायरल वीडियो के आधार पर थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वायरल वीडियो की सत्यता, समय और स्थान की जांच की जा रही है। साथ ही वीडियो में दिखाई दे रहे युवक और दुकान संचालकों से भी पूछताछ की जाएगी। खाद्य सुरक्षा संबंधित धाराओं में होगा एक्शन पुलिस का कहना है कि यदि जांच में वीडियो सही पाया जाता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा और अन्य संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रशासन भी मामले पर नजर बनाए हुए है।

शास्त्री पार्क-मयूर विहार फेज-3 मेट्रो कॉरिडोर से सफर होगा आसान, जुड़ेंगे सघन आबादी वाले कई इलाके

नई दिल्ली (एजेंसी) लंबे समय से ट्रैफिक जाम, सीमित सार्वजनिक परिवहन और इंटरचेंज निर्भर यात्रा की समस्या झेल रहे ट्रांस-यमुना क्षेत्र को इस कॉरिडोर से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली मेट्रो के प्रस्तावित फेज-5बी के तहत बनने वाला शास्त्री पार्कझ्रमयूर विहार फेज-3 कॉरिडोर पूर्वी दिल्ली के लिए नई लाइफलाइन साबित होगा। लंबे समय से ट्रैफिक जाम, सीमित सार्वजनिक परिवहन और इंटरचेंज निर्भर यात्रा की समस्या झेल रहे ट्रांस-यमुना क्षेत्र को इस कॉरिडोर से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सघन आबादी वाले कई इलाकों को जोड़ने वाला यह कॉरिडोर न केवल यात्रा समय कम करेगा, बल्कि पूर्वी दिल्ली के भीतर ईस्ट-टू-ईस्ट कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगा। अभी तक यमुनापार के कई हिस्सों के बीच सीधे मेट्रो कनेक्शन की कमी के कारण यात्रियों को मेट्रो स्टेशन पहुंचने के लिए लास्टमाइल कनेक्टिविटी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित कॉरिडोर 13.19 किलोमीटर का होगा जिसमें आठ स्टेशन बनेंगे। इसमें तीन स्टेशन भूमिगत और पांच स्टेशन एलिवेटेड रहेंगे। इस कॉरिडोर के बनने से मेट्रो के तीन कॉरिडोर पिंक, ब्लू और रेड लाइन आपस में कनेक्ट हो जाएंगे। मौजूदा समय में यदि किसी को मयूर विहार फेज-2, 3, पांडव नगर, लक्ष्मी नगर, गांधी नगर या त्रिलोकपुरी से कश्मीरी गेट बस अड्डे जाना है तो उन्हें पहले ब्लू लाइन या पिंक लाइन पकड़कर वेलकम मेट्रो स्टेशन जाना पड़ता है। वहां से रेड लाइन मेट्रो लेकर आगे जाना होता है। नए कॉरिडोर से मेट्रो के अन्य कॉरिडोर नहीं पकड़ना पड़ेगा बल्कि वह सीधे शास्त्री पार्क जा सकेंगे। यहां से रेड लाइन से कश्मीरी गेट जाया जा सकेगा। घर से कूछ दूरी पर ही मिलेगी मेट्रो दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) घर से 500-800 मीटर की दूरी पर मेट्रो की कनेक्टिविटी योजना के तहत काम कर रही है। शास्त्री पार्कझ्रमयूर विहार फेज-3 लाइन को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसी योजना के तहत फेज-5ए में तीन छोटे-छोटे कॉरिडोर तैयार किए गए हैं,

दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, दो दिन तेज हवाओं और बारिश से मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। 11 और 12 मई को गरज-चमक, तेज हवाओं संग हल्की बारिश की संभावना है। इससे गर्मी से राहत मिलेगी, पर बाद में तापमान फिर बढ़ेगा। दिल्ली-एनसीआर में आगामी दिनों के दौरान मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल सकता है। रविवार को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसका असर रात या सोमवार सुबह तक मैदानी इलाकों में देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 और 12 मई को आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा, जो बाद में पूरी तरह बादल छाने की स्थिति में बदल सकता है। इन दिनों शाम और रात के समय गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना

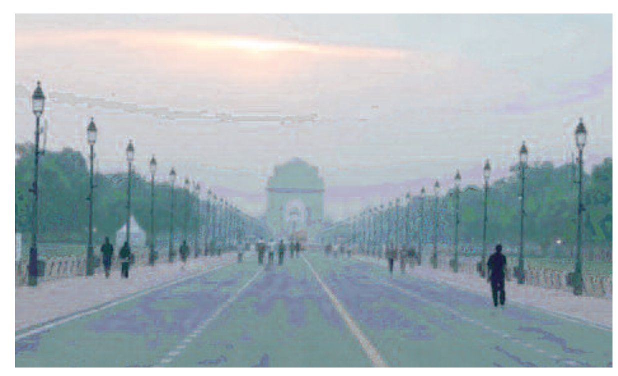

जताई गई है। हवाओं की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रहने के साथ झोंकों में 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, 13 मई को भी बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और सुबह और दोपहर के समय गरज के साथ मौसम बदल सकता है। इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी होगी। 14 मई को आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा, जबकि 15 और 16 मई को मौसम मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 से 40 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 23 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। ऐसे में कुछ दिनों की राहत के बाद सूरज फिर अपने तेवर दिखाएगा। दिल्ली के लोगों को कई दिन से गर्मी का टॉर्चर झेलना पड़ रहा है। मौसम शुष्क बने रहने के चलते लगातार तापमान चढ़ रहा है। साथ ही, सूरज अपने कड़े तेवर दिखा रहा है। ऐसे में रविवार को दिनभर तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। इस दौरान लोग पसीने से तरबतर दिखाई दिए। सुबह से ही निकल रही तेज धूप ने लोगों को खासा परेशान किया हुआ था। साथ ही, गर्म हवाओं ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी थी। इस दौरान अधिकतम तापमान 37.9 और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 73 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 38 प्रतिशत रही।

दिल्ली में आज बारिश, आंधी-तूफान और 50 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं; कैसा रहेगा दो दिन मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर में नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 11 और 12 मई को आंशिक से पूर्ण बादल छाए रहेंगे। शाम-रात गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ दिनों की गर्मी से राहत मिलने के बाद 14 मई से तापमान फिर बढ़ेगा। आज से दिल्ली-एनसीआर के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिलेगा। रविवार को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसका असर रात या सोमवार सुबह तक मैदानी इलाकों में दिखाई दे सकता है। दिल्ली में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 और 12 मई को आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। यह स्थिति बाद में पूरी तरह बादल छाने में बदल सकती है। इन दिनों शाम और रात के समय गरज-चमक के

साथ तेज हवाएं चलेंगी। हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। हवाओं की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है। इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। 14 मई को आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। 15 और 16 मई को मौसम मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 से 40 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 23 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। कुछ दिनों की राहत के बाद सूरज फिर अपने तेवर दिखाएगा। दिल्ली के लोगों को कई दिनों से गर्मी का कष्ट झेलना पड़ रहा है। शुष्क मौसम के चलते लगातार तापमान बढ़ रहा था और सूरज अपने कड़े तेवर दिखा रहा था। रविवार को दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी का अहसास हुआ। रविवार को अधिकतम तापमान 37.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज हुआ। अधिकतम आर्द्रता 73 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 38 फीसदी रही।

बारापुल्ला फेज-3 जून के अंत तक शुरू करने की तैयारी, परियोजना पर 1635 करोड़ रुपये की आई लागत

नई दिल्ली (एजेंसी) लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसका सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। सरकार ने 30 जून तक इसे जनता के लिए खोलने का लक्ष्य तय किया है। करीब एक दशक से प्रशासनिक अड़चनों में फंसा बारापुला फेज-3 एलिवेटेड कॉरिडोर के अब शुरू होने की उम्मीद है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसका सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। सरकार ने 30 जून तक इसे जनता के लिए खोलने का लक्ष्य तय किया है। यह परियोजना सिर्फ एक फ्लाईओवर नहीं, बल्कि पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली के बीच ट्रैफिक दबाव कम करने की बड़ी रणनीति का हिस्सा है। इसके चालू होने के बाद मयूर विहार से सराय काले खां होते हुए एम्स तक करीब नौ किलोमीटर लंबा सिग्नल-फ्री कॉरिडोर मिल जाएगा। इससे यात्रा समय में लगभग 15 मिनट तक की कमी आने का अनुमान है। सबसे बड़ा असर सराय काले खां, रिंग रोड और डीएनडी फ्लाईओवर पर दिखेगा। यहां रोजाना भारी ट्रैफिक दबाव रहता है। पूर्वी दिल्ली और नोएडा की ओर से दक्षिणी दिल्ली आने वाले हजारों वाहन अभी इन मार्गों पर जाम में फंसते हैं। नया कॉरिडोर शुरू होने से ट्रैफिक का बंटवारा होगा और प्रमुख चौराहों पर दबाव कम हो सकता है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, फ्लाईओवर का मुख्य ढांचा तैयार हो चुका है। अब सुरक्षा बैरियर, लाइटिंग, साइनबोर्ड और अन्य

अंतिम कार्य पूरे किए जा रहे हैं। परियोजना को लेकर सरकार भी सतर्क है और विभाग को तय समय सीमा के भीतर इसे चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। बारापुल्ला फेज-3 को वर्ष 2014 में मंजूरी मिली थी। इसे आईएनए से सराय काले खां तक पहले से बने एलिवेटेड नेटवर्क के विस्तार के रूप में विकसित किया गया। परियोजना में यमुना नदी पर पुल का निर्माण भी शामिल है। परियोजना पर 1635 करोड़ रुपये की आई लागत देरी के कारण परियोजना की लागत भी लगातार बढ़ती गई। हाल ही में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इसकी संशोधित लागत 1,635.03 करोड़ रुपये मंजूर की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह कॉरिडोर तय समय पर चालू हो जाता है तो इससे न केवल ट्रैफिक जाम में राहत मिलेगी, बल्कि पूर्वी दिल्ली, नोएडा और दक्षिणी दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों के लिए सफर अधिक तेज और सुगम हो जाएगा।

कागजों में सभी बन चुके शहर, 63 साल में 352 का कायाकल्प; पर मूलभूत सुविधाएं नदारद

नई दिल्ली (एजेंसी) छह दशक से अधिक समय तक चली इस प्रक्रिया के बावजूद अधिकांश गांवों की तस्वीर आज भी नहीं बदली है और ग्रामीणों को शहर जैसी मूलभूत सुविधाओं का इंतजार है। राजधानी में अधिकारिक रूप से एक भी गांव नहीं बचा है। हाल ही में 48 गांवों को शहरीकृत घोषित किए जाने के साथ ही दिल्ली के सभी 352 गांव शहरीकृत श्रेणी में शामिल हो गए हैं। एमसीडी ने आठ चरणों में यह प्रक्रिया पूरी की है। हालांकि छह दशक से अधिक समय तक चली इस प्रक्रिया के बावजूद अधिकांश गांवों की तस्वीर आज भी नहीं बदली है और ग्रामीणों को शहर जैसी मूलभूत सुविधाओं का इंतजार है। दिल्ली में

गांवों को शहरीकृत घोषित करने की शुरूआत पहले मास्टर प्लान के लागू होने के बाद वर्ष 1963 में हुई थी। उस समय 19 गांवों को शहरीकृत गांव का दर्जा दिया गया था। उसके तीन वर्ष बाद 1966 में 72 और गांवों को इस श्रेणी में शामिल किया गया। जबकि दूसरे मास्टर प्लान के दौरान वर्ष 1982 में 24 गांवों को शहरीकृत घोषित किया, जबकि 1994 में 20 अन्य गांव इस सूची में जोड़े गए। तीसरे मास्टर प्लान और लैंड पुलिंग पॉलिसी लागू होने के बाद शहरीकरण की प्रक्रिया ने तेजी पकड़ी। वर्ष 2017 में 89 गांवों को शहरीकृत घोषित किया गया। उसके बाद 2019 में 79 और 2021 में एक गांव को यह दर्जा मिला। अब वर्ष 2026 में शेष बचे 48 गांवों को भी शहरीकृत घोषित कर दिया गया है। इस तरह दिल्ली में गांवों का अस्तित्व प्रशासनिक रूप से पूरी तरह समाप्त हो गया है। छह दशक बाद भी नहीं बदली गांवों की हालत पूर्व सांसद चौ. तारीफ सिंह के अनुसार गांवों को शहरीकृत घोषित करने का उद्देश्य उन्हें शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना था, लेकिन अधिकांश गांव आज भी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। कई गांवों में संकरी गलियां, अव्यवस्थित निर्माण, पार्किंग की समस्या, जल निकासी की कमी और खराब सड़कें आज भी बड़ी चुनौती हैं। वहीं पूर्व महानगर पार्षद रोहताश डबास ने बताया कि शहरीकरण के नाम पर गांवों में केवल कर और नियम लागू किए गए, लेकिन सुविधाएं नहीं पहुंचीं। अधिकांश गांवों में सीवर लाइन बिछाने के अलावा कोई बड़ा विकास कार्य नहीं हुआ। कई गांवों के चारो ओर पॉश कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं, लेकिन गांव खुद चहारदीवारी में घिरे हुए अलग-थलग क्षेत्र बनकर रह गए हैं। नियम बढ़े, नहीं बनी अनुकूल व्यवस्था गांवों के शहरीकृत होने के बाद वहां संपत्ति कर लागू हो गया है। साथ ही भवन उपनियम, मास्टर प्लान और डीडीए के प्रावधान भी लागू हो चुके हैं। इस कारण गांवों में मकान निर्माण और पुनर्निर्माण ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांवों की पारंपरिक बसावट और संकरी गलियों को देखते हुए शहरी भवन उपनियम व्यवहारिक नहीं है। कई लोग अपने पुराने मकानों का निर्माण या मरम्मत भी आसानी से नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर, गांवों में शहरी इलाकों की तरह व्यावसायिक गतिविधियों की भी पूरी अनुमति नहीं है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। मास्टर प्लान और जमीनी हकीकत में अंतर शहरी योजनाकारों का मानना है कि दिल्ली के गांवों को शहरीकृत घोषित करने की प्रक्रिया कागजों में तो पूरी हो गई, लेकिन जमीनी स्तर पर विकास नहीं हो सका।

चंबा में गहरी खाई में गिरी कार, 6 लोगों की मौत, 4 गंभीर

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा–पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार तड़के सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तुनुहट्टी क्षेत्र के काकीरा घार के पास रात करीब तीन बजे हुआ, जब धर्मशाला से डलहौजी की ओर जा रही एक टैक्सी इनोवा अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जानकारी के मुताबिक वाहन में कुल दस लोग सवार थे। इनमें अधिकांश पर्यटक गुजरात के बताए जा रहे हैं। हादसे के समय क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी, जिसके चलते सड़क पर फिसलन थी। आशंका जताई जा रही है कि खराब मौसम और फिसलन हादसे का कारण हो सकती है। लोगों ने हादसे की आवाज सुनकर तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस, प्रशासन और राहत–बचाव दल मौके पर पहुंचे और अंधेरे व बारिश के बीच राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद घायलों और शवों को खाई से बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन मंडी नंबर की टैक्सी इनोवा थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एसपी ने कहा कि विजय कुमार सकलानी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी मानहानि मामले में बहस टली, अब 21 मई को सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में सोमवार को एमपी–एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान बहस नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई, जहां परिवादी पक्ष की ओर से वॉयस सैंपल की मांग खारिज किए जाने के आदेश को सेशन कोर्ट में चुनौती देने हेतु समय मांगा गया। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत कर रिवीजन दाखिल करने के लिए अवसर देने की मांग की। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि अदालत ने परिवादी को एक अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई एवं बहस के लिए 21 मई की तारीख नियत की है। मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में आयोजित एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा नेता विजय मिश्र द्वारा इस संबंध में सुलतानपुर की अदालत में मानहानि वाद दायर किया गया था। उल्लेखनीय है कि मामले में राहुल गांधी पूर्व में अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं तथा उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब अदालत में 21 मई को आगे की सुनवाई होगी।

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया 'संकट' : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव ख़त्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है–'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं। हमारी बात गलत लग रही हो तो 'लखनऊ से लेकर गोरखपुर' तक पता कर लीजिए या 'अहमदाबाद से लेकर गुवाहाटी' तक। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वैसे सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आईं है? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे? भाजपाइयों ने चुनाव में वीडियो कॉन्फ्रेंस से ही प्रचार क्यों नहीं किया? सारी पाबंदियां जनता के लिए ही हैं क्या? उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करते हुए कहा कि ये अपील भाजपा सरकार की अपनी असफलता की स्वीकारोक्ति है। दरअसल वोट मिलते ही भाजपा का खोट सामने आ गया।

धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में तीन शिक्षक निलंबित

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएमश्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों में निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद, कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने और लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। इन आरोप में लिप्त होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद 7 मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए 8 मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य मोहम्मद अंज़ार अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज़ दोनों विद्यालय परिसर में अनुपस्थित पाए गए।

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना.... यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

पूर्व सीएम स्टालिन ने दावों पर उठाए सवाल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है।

राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है?

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है। वर्ष 2025 के अंत तक, राज्य पर करीब 9.56 लाख करोड़ रुपये की उधारी का अनुमान है। यह पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लिया गया कर्ज है। हालांकि, तमिलनाडु देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जिसकी विकास दर 2011 के जीडीपी वर्ष आधार पर 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 11.2 प्रतिशत हो गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य इस कर्ज को संभालने और चुकाने की मजबूत क्षमता रखता है।

इसके बाद विशेषज्ञों के अनुसार, मुख्यमंत्री थलापति की सरकार की वास्तविक चिंता कर्ज की मात्रा से अधिक, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे अनिवार्य खर्चों का बढ़ता बोझ है। एक रिपोर्ट में प्रकाशित पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का लगभग 62 प्रतिशत इन्हीं अनिवार्य खर्चों में जाने का अनुमान है, जिससे विकास कार्यों पर खर्च के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

लेकिन विडंबना यह है कि थलापति ने स्वयं चुनावी घोषणापत्र में हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे कई कल्याणकारी वादे किए हैं, जो उनके सरकारी खर्चे को और भी बढ़ाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु पहले ही सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं पर 72,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की योजना बना चुका है, जो सड़क और बुनियादी ढांचे जैसी विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित राशि से भी अधिक है। अनुमान है कि विजय के सभी चुनावी वादों को पूरा करने से राज्य पर वार्षिक कल्याणकारी खर्च लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

वहीं तमिलनाडु का खजाना भले ही पूरी तरह से खाली न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर वित्तीय दबाव में है। मुख्यमंत्री थलापति को न केवल पूर्ववर्ती सरकार द्वारा छोड़ी गई विरासत का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि अपने स्वयं के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए भी एक ठोस वित्तीय रणनीति बनानी होगी, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बिठा सके।

शुभेंदु के पीए की हत्या : बक्सर से विशाल श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

यूपीआई भुगतान से खुला हत्यारों का राज

बक्सर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की सनसनीखेज हत्या के मामले में जांच तेज करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के बक्सर में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी निवासी कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है और उसे पूछताछ के लिए कोलकाता ले गई है। विशाल के खिलाफ हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को संदेह है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या की साजिश और इसे अंजाम देने से जुड़े कई अहम राज विशाल के पास हो सकते हैं। हालांकि, बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने इस पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि पश्चिम बंगाल से आई टीम ने छापेमारी कर विशाल को हिरासत में लिया है। इस बीच, जांचकर्ताओं को हावड़ा के बल्ली टोल प्लाजा से एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग मिला है। वारदात में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार हमले से कुछ देर पहले टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहाँ उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इस डिजिटल ट्रांजैक्शन ने पुलिस को संदिग्धों के मोबाइल नंबर तक पहुँचा दिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों और वाहन की स्पष्ट तस्वीरें भी कैद हुई हैं। ज्ञात हो कि चंद्रनाथ रथ की हत्या 6 मई की रात कोलकाता हवाई अड्डे के समीप मध्यमग्राम के दोहरिया लेन में उस वक्त कर दी गई थी, जब वे अपनी एसयूवी से लौट रहे थे। हमलावरों ने सिल्वर रंग की कार से उनका रास्ता रोका और फिर दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आए शूटर्स ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। जांच में पता चला है कि इस हत्याकांड में ऑस्ट्रिया निर्मित अत्याधुनिक ग्लॉक 47 एक्स पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, जिसने राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। सीआईडी और एसटीएफ की संयुक्त एसआईटी इस कोण से भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई विदेशी नेटवर्क शामिल है, जिसने बांग्लादेश के रास्ते हथियारों की आपूर्ति की हो। विशाल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी इस केस की गुत्थी सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

–अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद हों

–पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर, कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ईंधन का संयमित उपयोग किया जाए, साथ ही अगले एक साल तक सोने की खरीद न की जाए। पीएम मोदी की इस अपील पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता। चतुर्वेदी ने कहा कि नागरिक पहले से ही इस सरकार के चुनावी नीतियों पर केंद्रित शासन और पुरस्कार बटोरने वाली विदेश नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसके साथ

शिवसेना नेता अपने एक्स से देश वासियों को कुछ सुझाव भी शेयर किए, जिनमें मंत्री और नेताओं के लंबे काफिले पर पाबंदी लगाना, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद करना, बड़े शपथ ग्रहण समारोह पर पाबंदी हो, सिर्फ डब्ल्यूएचएफ यानी वॉच फ्रॉम होम करना शामिल है।

बता दें पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल में कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। पीएम मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी। पीएम मोदी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50 फीसदी तक कम करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की।

कहीं आंधी-बारिश और ओलावृष्टि तो कहीं हीटवेव की चेतावनी

उत्तर भारत में फिर करवट ले रहा मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दोपहर के समय बढ़ती तपिश के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आज से 14 मई के बीच उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में बारिश, कड़कती बिजली और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का नया दौर शुरू होगा। पश्चिमी विक्षोभ और अन्य भौगोलिक कारणों से होने वाले इस बदलाव से जहां कुछ राज्यों को गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं कई हिस्सों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से 14 मई के दौरान व्यापक स्तर पर बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने का अनुमान है। विशेष रूप से सोमवार और मंगलवार को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में, और 12 व 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई और उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई के बीच बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

एक तरफ जहां उत्तर भारत में बारिश की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर 15 मई तक पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भीषण हीटवेव (लू) चलने की आशंका है। दक्षिण भारत की बात करें तो अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। 11 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की भी संभावना है, जिसका असर तटीय क्षेत्रों के मौसम पर पड़ेगा। पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी राज्यों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 मई तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु : फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था। राहुल गांधी ने पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता करार दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताकर अपनी आलोचना तेज की और दावा किया कि देश का शासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है।

इस बीच, दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में फडणवीस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले युग के लिए महाराष्ट्र की तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण पर महाराष्ट्र के विशेष ध्यान पर जोर दिया।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे।

तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन 31 सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 294 सीटों में से 207 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था और राज्य में पहली बार सरकार बनाई। इस जीत को भाजपा ने एक ऐतिहासिक सफलता माना था। हालांकि, अब टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी हार के पीछे एसआईआर प्रक्रिया को एक बड़ा कारण बताते हुए कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

पटना में सुबह-सुबह पुलिस की सघन वाहन चेकिंग, 20 प्वाइंट पर बैरिकेडिंग कर जांच

पटना (एजेंसी) पटना पुलिस ने सोमवार सुबह शहर के 20 चेकिंग प्वाइंट पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया. चेन स्नेचिंग और अपराध नियंत्रण को लेकर चला अभियान : (नीतीश सिंह की रिपोर्ट) पटना में सोमवार की सुबह पुलिस ने अचानक सघन वाहन जांच अभियान चलाया. राजधानी के 20 अलग-अलग चेकिंग प्वाइंट पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच की गई. इस दौरान पुलिस ने एक-एक वाहन की तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी. कागजात नहीं होने पर वसूला गया जुमार्ना वाहन जांच अभियान के दौरान कई वाहन चालकों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं पाए गए. ऐसे लोगों से पुलिस ने जुमार्ना भी वसूला. वहीं कुछ संदिग्ध वाहनों को आगे की जांच के लिए संबंधित थाना लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है. सुबह से ही तैनात थी पुलिस टीम जानकारी के अनुसार, चेन स्नेचिंग और अन्य आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया गया. सुबह से ही शहर के 20 चेकिंग प्वाइंट पर एक पुलिस पदाधिकारी और चार जवानों की तैनाती कर दी गई थी. संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की नजर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए इस तरह का अभियान आगे भी जारी रहेग. वाहन जांच के दौरान संदिग्ध लोगों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जा रही है.

पंचायत का फरमान- वह भले जिंदा है, लेकिन अर्थी निकाल दाह-संस्कार करो

पटना (एजेंसी) बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में प्रेम विवाह करने वाली एक युवती को पंचायत ने सामाजिक रूप से मृत घोषित कर दिया। मड़वन प्रखंड के एक गांव में युवती के प्रेमी के साथ घर छोड़ने के बाद पंचायत ने उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया और समाज में बने रहने के लिए बेटी का बहिष्कार करने का फरमान सुनाया। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां प्रेम विवाह करने वाली एक युवती को गांव की पंचायत ने सामाजिक रूप से ह्यमृतह्ल घोषित कर दिया। पंचायत के दबाव में परिजनों ने अपनी ही बेटी का प्रतीकात्मक दाह संस्कार कर दिया। मामला जिले के मड़वन प्रखंड क्षेत्र के एक गांव का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार युवती अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई थी। इस घटना के बाद गांव में नाराजगी फैल गई और पंचायत बुलाई गई। पंचायत ने युवती के परिवार के सामाजिक बहिष्कार का फैसला सुनाया। ग्रामीणों ने परिवार से कहा कि यदि उन्हें गांव और समाज में फिर से रहना है तो अपनी बेटी का पूरी तरह बहिष्कार करना होगा। पंचायत का फरमान इतना कठोर था कि परिवार को बेटी को ह्यमृतह्ल मानने के लिए मजबूर होना पड़ा। बताया जा रहा है कि गांव और समाज में अपनी जगह बनाए रखने के लिए परिजनों ने बेटी को कागजों और रस्मों में मृत घोषित कर दिया। मामले में पहले युवती के परिजनों ने करजा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती को बरामद किया और कोर्ट में पेश किया। न्यायालय में युवती ने बयान दिया कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से युवक के साथ शादी की है। उसने अपने पति के साथ रहने की इच्छा जताई। युवती ने अपने परिजनों पर ससुराल पक्ष को प्रताड़ित करने का आरोप भी लगाया। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने युवती को उसकी इच्छा के अनुसार उसके ससुराल भेज दिया। पंचायत के फैसले के बाद युवती के परिवार ने गांव वालों के साथ मिलकर उसका सांकेतिक दाह संस्कार किया। ग्रामीणों के अनुसार हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार पूरे कार्यक्रम को किया गया। बताया गया कि युवती का प्रतीकात्मक शव तैयार किया गया, जिसमें उसकी तस्वीर रखी गई। इसके बाद अर्थी सजाकर गांव में शव यात्रा निकाली गई। शव यात्रा के बाद लोगों ने श्मशान घाट पहुंचकर मंत्रोच्चारण के बीच पुतले का दाह संस्कार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा कार्यक्रम उसी तरह किया गया, जैसे किसी व्यक्ति के निधन के बाद अंतिम संस्कार और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। घटना के बाद गांव में इस मामले को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन अधिकांश लोग खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। वहीं यह मामला सामाजिक सोच और पंचायत के फैसलों को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

मगध में 'सिंघम' रिटर्न, नए आईजी का फरमान-काम में कोताही की तो नपेंगे थानेदार

पटना (एजेंसी) स्थित मगध प्रक्षेत्र के नए आईजी ने पदभार संभालते ही पुलिस व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि एफआईआर दर्ज नहीं करने, अपराध की गंभीरता कम दिखाने, अवैध वसूली और शिकायतों के निष्पक्ष निपटारे में लापरवाही बरतने वाले थाना प्रभारियों पर तुरंत निलंबन की कार्रवाई होगी। गया स्थित मगध प्रक्षेत्र के नए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास वैभव ने पदभार संभालते ही पुलिस व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। करीब छह साल बाद दोबारा फील्ड पुलिसिंग में लौटे आईजी ने साफ शब्दों में कहा है कि कानून के शासन से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि एफआईआर दर्ज नहीं करने, अपराध की गंभीरता कम दिखाने, अवैध वसूली करने और शिकायतों के निष्पक्ष निपटारे में लापरवाही बरतने वाले थाना प्रभारियों पर तत्काल निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। आईजी ने अपने संदेश में कहा कि पुलिस की पहली जिम्मेदारी कानून को पूरी निष्पक्षता और बिना किसी डर या पक्षपात के लागू करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी थाना प्रभारी की भूमिका प्रथम दृष्टया संदिग्ध पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी को तुरंत निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता को गुमराह करना, अपराध की जानकारी समय पर वरीय अधिकारियों तक नहीं पहुंचाना और पुलिसकर्मियों द्वारा अवैध वसूली जैसे मामलों में ह्लजीरो टॉलरेंसह्ल नीति अपनाई जाएगी। मगध प्रक्षेत्र में अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आईजी ने विशेष रूप से संपत्ति संबंधी अपराधों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रात्रि गश्ती को मजबूत करने, भूमि विवादों में निष्पक्ष पुलिस कार्रवाई सुनिश्चित करने, लंबित मामलों का तेजी से निष्पादन करने और अतिक्रमण व यातायात समस्याओं के समाधान पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने साफ कहा कि सड़क जाम करने वालों के खिलाफ हर हाल में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हर थाने में बनेगा सीनियर सिटिजंस सेल सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए आईजी ने हर थाना में ह्लसीनियर सिटिजंस सेलह्ल बनाने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य बुजुर्गों की समस्याओं का नियमित समाधान करना होगा। इसके अलावा प्रत्येक महीने के पहले शनिवार को थाना क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर ह्लजनता-पुलिस संवाद कार्यक्रमह्ल आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आम लोग अपनी शिकायतें और सुझाव सीधे पुलिस अधिकारियों के सामने रख सकेंगे। रात में होगा थानों का औचक निरीक्षण आईजी ने कहा कि पुलिस थानों का रात के समय औचक निरीक्षण किया जाएगा। लॉकअप की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कहीं कोई अवैध हिरासत या अवैध वसूली जैसी गतिविधि तो नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ जवानों के कल्याण और मनोबल को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। नए आईजी के इस सख्त और स्पष्ट संदेश के बाद मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। वहीं आम लोगों के बीच भी उम्मीद जगी है

सीएम सम्राट चौधरी ने लॉन्च किया सहयोग पोर्टल, 30 दिनों में होगा शिकायतों का समाधान

'सबका सम्मान, जीवन आसान': सीएम सम्राट चौधरी आज करेंगे नए पोर्टल का उद्घाटन

पटना (एजेंसी) बिहार में लोगों की शिकायतों का समाधान 30 दिनों के अंदर किया जा सकेगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहयोग पोर्टल का उद्घाटन करेंगे. इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव और विजय कुमार चौधरी मौजूद रहेंगे. बिहार सरकार की ओर से सबका सम्मान, जीवन आसान के तहत खास पहल की गई है. इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहयोग पोर्टल का उद्घाटन करेंगे. इस कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12:30 बजे होगा. मुख्यमंत्री सचिवालय में डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव और विजय कुमार चौधरी मौजूद रहेंगे.

सहयोग हेल्पलाइन नंबर भी होगा लॉन्च जानकारी के मुताबिक, लोग sahyog.bihar.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकेंगे. इस दौरान सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 भी लॉन्च किया जाएगा. हेल्पलाइन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक उपलब्ध रहेगी. इसके जरिए हर नागरिक कभी भी अपनी समस्या दर्ज कर सकते हैं. शिकायतों के जल्द से जल्द समाधान के लिए यह नई व्यवस्था शुरू होने वाली है. इस दिन लगाया जाएगा सहयोग शिविर इसके साथ ही हर महीने के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर लगाया जाएगा. शिविर में मौके पर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा. इतना ही नहीं, लोगों की ओर से शिकायत दर्ज होने के 30 दिनों के अंदर निपटारा अनिवार्य किया गया है. समस्या के समाधान के बाद आवेदक को लिखित सूचना दी जाएगी. एक्शन मोड में सीएम सम्राट चौधरी बिहार में नई सरकार बनने के बाद लगातार कई पहल किए जा रहे हैं. सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनने के बाद एक्शन मोड में हैं. नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे, उस वक्त ही सात निश्चय-3 लागू किया गया था. सात निश्चय-3 में सातवां और प्रमुख निश्चय सबका सम्मान, जीवन आसान शामिल है. सीएम बनने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा था, बिहार नीतीश कुमार के आदर्शों पर ही आगे बढ़ेगा. ऐसे में सहयोग पोर्टल का उद्घाटन उन्हीं में से एक माना जा रहा है.

राजधानी पटना में गंगा नदी में समाई स्कॉर्पियो, लोग मदद की बजाय बनाते रहे वीडियो

पटना (एजेंसी) अचानक गाड़ी गंगा नदी की ओर लुढ़कने लगी। गाड़ी मालिक यह देखकर लोगों से गाड़ी को बचाने की गुहार लगाने लगे, लेकिन लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे और देखते ही देखते गाड़ी नदी की तेज धार में समा गई। राजधानी के दीघा स्थित पाटीपुल घाट पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। शिक्षा विभाग से सेवानिवृ एक बुजुर्ग दंपत्ति की स्कॉर्पियो देखते ही देखते गंगा नदी के गहरे पानी में समा गई। विडंबना यह रही कि वहां मौजूद सैकड़ों लोग मदद के लिए हाथ बढ़ाने की बजाय मोबाइल फोन से वीडियो बनाने में मशगूल रहे। गाड़ी मालिक की पहचान बेगूसराय निवासी राम नरेश सिंह के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि वह सेवा निवृत हैं और वर्तमान में अपने परिवार के साथ पटना के शिवपुरी में रह रहे हैं। उनके घर में पूजा का आयोजन किया गया था। वह अपनी पत्नी के साथ पूजा की सामग्री विसर्जित करने दीघा के पाटीपुल घाट आए थे। टना के संबंध में राम नरेश सिंह ने बताया कि घाट के ढलान पर स्कॉर्पियो खड़ी करने के बाद राम नरेश सिंह हैंड-ब्रेक लगाना भूल गए। यही लापरवाही उनके लिए नुकसानदेह साबित हो गया। उन्होंने बताया कि जैसे ही वे दोनों गाड़ी से नीचे उतरे, ढलान के कारण स्कॉर्पियो धीरे-धीरे लुढ़कने लगा और लुढ़कते-लुढ़कते स्कॉर्पियो गंगा नदी की ओर बढ़ने लगा। तमाशबीन बनी रही भीड़ राम नरेश सिंह ने गाड़ी को रोकने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी। यहां तक कि उन्होंने घाट पर मौजूद लोगों से चीख-चीख कर मदद करने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि घाट पर सैकड़ों लोग मौजूद थे, लेकिन कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। लोग संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पार करते हुए इस पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड करते रहे। इसी बीच वहां से एक बड़ा जहाज भी गुजरा, लेकिन मदद नहीं मिल सकी और अंततः गाड़ी गहरे पानी में डूब गई। राम नरेश सिंह ने कहा कि मैने सबसे मदद मांगी, चीखता रहा, चिल्लाता रहा लेकिन सब तमाशा देखते रहे। मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। अगर दो-चार लोग हाथ लगा देते तो मेरी गाड़ी बच सकती थी। पुलिस की कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही दीघा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के घटनास्थल पर पहुँचने तक स्कॉर्पियो गंगा नदी में पूरी तरह डूब चुकी थी। पुलिस का कहना है कि गाड़ी को अब तक बाहर नहीं निकाला जा सका है। पुलिस का कहना है कि गाड़ी लगभग 10 साल पुरानी थी।

'बिहार के देवघर' अशोक धाम में सोमवार को उमड़ती है आस्था, विशाल शिवलिंग के दर्शन से पूरी होती है मनोकामना

पटना (एजेंसी) लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम स्थित इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार को बाबा भोलेनाथ के विशाल शिवलिंग के दर्शन और जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों का तांता लगा रहता है. 'बिहार के देवघर' के रूप में विख्यात इस मंदिर के पट अहले सुबह 4 बजे श्रृंगारी पूजन के बाद खोल दिए जाते हैं, जहां दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता है. लखीसरायः यदि आप लखीसराय में हैं, तो आज सोमवार के दिन बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लेना न भूलें. यहां स्थित प्रसिद्ध इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर (अशोक धाम) में स्थापित बाबा भोलेनाथ के विशाल शिवलिंग के दर्शन के लिए सोमवार को भक्तों की विशेष भीड़ उमड़ती है. धार्मिक मान्यता है कि यहां सच्चे मन से दर्शन, पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से शिवभक्तों की हर मनोकामना शीघ्र पूरी हो जाती है. बिहार का देवघर के नाम से विख्यात है अशोक धाम अशोक धाम मंदिर अपनी भव्यता और धार्मिक महत्ता के कारण श्रद्धालुओं के बीच बिहार का देवघर के नाम से भी जाना जाता है. इस पवित्र स्थल पर भगवान शिव के दर्शन के लिए न केवल स्थानीय बल्कि दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. सुबह 4 बजे खुल जाते हैं मंदिर के पट मंदिर प्रबंधन के अनुसार, प्रतिदिन सुबह चार बजे पूरे विधि-विधान के साथ बाबा भोलेनाथ का श्रृंगारी पूजन किया जाता है. इसके तुरंत बाद आम श्रद्धालुओं के दर्शन और पूजन के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाते हैं. सोमवार का दिन देवों के देव महादेव की विशेष आराधना का दिन होता है, इस वजह से आज यहां दर्शनार्थियों की भारी भीड़ लगी रहती है. अहले सुबह से ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहता है.

कौन हैं आईएएस अधिकारी कुमार रवि? मुख्यमंत्री सचिवालय के बाद अब बने निशांत के विभाग के सचिव

पटना (एजेंसी) राज्य सरकार ने प्रशासनिक महकमे में फेरबदल किया और 16 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया. इस पूरे प्रक्रिया में सबसे ज्यादा चर्चा आईएएस कुमार रवि के ट्रांसफर की हो रही. कुमार रवि को स्वास्थ्य विभाग का सचिव बनाया गया है. आईएएस अधिकारी कुमार रवि को नए विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है. उन्हें पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के स्वास्थ्य विभाग का सचिव बनाया गया है. इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह थे. लेकिन प्रशासनिक महकमे में जब अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया तो लोकेश कुमार सिंह को पर्यटन विभाग का सचिव बना दिया गया है. क्यों हो रही आईएएस कुमार रवि की चर्चा? आईएएस अधिकारी कुमार रवि की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते ही उनकी पोस्टिंग मुख्यमंत्री सचिवालय में की गई थी. नीतीश कुमार के साथ उन्होंने कई काम किए. लेकिन अब सरकार बदल गई है. ऐसे में जब सम्राट कैबिनेट का विस्तार हुआ तो नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया. इसके साथ ही आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर जब किया गया तो कुमार रवि को स्वास्थ्य विभाग का सचिव बना दिया गया. यानी कि नीतीश कुमार के बाद अब कुमार रवि उनके बेटे निशांत के साथ काम करेंगे. कुमार रवि के बारे में जानिए प्रशासनिक गलियारे में कुमार रवि को तेज तर्रार अधिकारी माना जाता है. खास बात यह भी है कि वह नालंदा जिले के रहने वाले हैं. इसके साथ ही अपने करियर में उन्होंने कई बड़ी जिम्मेदारियों को संभाला. कुमार रवि ने आईआईटी कानपुर से बीटेक की डिग्री ली. इसके बाद यूपीएससी की परीक्षा क्रैक की. साल 2003 में वह आईआरएस अधिकारी बने थे. इसे बाद दोबारा उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा 2005 में क्रैक की. इस बार उन्हें पूरे देश में 10वां रैंक मिला और आईएएस बने. कुमार रवि पटना के डीएम और प्रमंडलीय आयुक्त रह चुके हैं. इसके अलावा गयाजी, दरभंगा समेत अन्य जिलों के भी डीएम रह चुके हैं. खासकर 2008 में जब बाढ़ आई थी, उस वक्त सुपौल जिले में उन्होंने राहत बचाव कार्य का नेतृत्व किया था, जिसके लिए उनकी जमकर सराहना भी हुई थी. साथ ही वे भवन निर्माण विभाग में भी सचिव रह चुके हैं. इस तरह से नीतीश सरकार में उन्होंने कई काम किए. अब नीतीश कुमार के बेटे और जदयू नेता निशांत कुमार के साथ स्वास्थ्य विभाग के कामकाज को देखेंगे

पटना आयुर्वेदिक कॉलेज के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुलाने की तैयारी

पटना (एजेंसी) पटना स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज और अस्पताल के शताब्दी समारोह को भव्य और यादगार बनाने की तैयारी शुरू हो गई है. कॉलेज प्रशासन ने समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित करने का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग को भेजा है. स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से राष्ट्रपति को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा जाएगा. शताब्दी वर्ष पर जारी होगा डाक टिकट कॉलेज प्रशासन की ओर से शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशेष डाक टिकट जारी करने की भी तैयारी की जा रही है. कॉलेज की प्राचार्य डॉ. उमा पांडेय ने बताया कि 26 जुलाई 2026 को संस्थान के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसे लेकर अभी से विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है. संस्थान के इतिहास को बनाया जाएगा खास प्राचार्य डॉ. उमा पांडेय और अधीक्षक डॉ. शिवादित्य ठाकुर ने बताया कि इस कॉलेज की स्थापना भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी. उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता भी इस कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके हैं. शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. पीजी स्तर पर शुरू होगा 15वां पाठ्यक्रम इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च विभाग खोलने की तैयारी आयुर्वेदिक कॉलेज में वर्तमान में 14 पीजी कोर्स संचालित हो रहे हैं. अब कॉलेज प्रशासन नए सत्र से 15वां पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च शुरू किया जाएगा। इसके लिए भी स्वास्थ्य विभाग को अनुमति हेतु प्रस्ताव भेजा गया है. आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा पर होगा काम प्राचार्य डॉ. उमा पांडेय ने बताया कि इस नए पाठ्यक्रम के माध्यम से आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को जोड़कर समग्र उपचार प्रणाली विकसित करने पर काम किया जाएगा। आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़ी प्रयोगशाला शोध को व्यावहारिक उपचार में शामिल करने की दिशा में पहल होगी.

पटना-दुमका एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक लेट, 11:46 बजे पहुंची स्टेशन, यात्री हुए परेशान

पटना (एजेंसी) पटना से दुमका जाने वाली 13334 डाउन एक्सप्रेस सोमवार को अपने निर्धारित समय से दो घंटे से अधिक की देरी से सुबह 11:46 बजे जमालपुर स्टेशन पहुंची. ट्रेन के रीशेड्यूल होने और इसके लेट परिचालन के कारण दैनिक यात्रियों, सरकारी कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. मुंगेर के जमालपुर से विजय कुमार गुप्ता की रिपोर्ट: पटना जंक्शन से चलकर जमालपुर, सुल्तानगंज और भागलपुर के रास्ते दुमका जाने वाली 13334 डाउन पटना-दुमका एक्सप्रेस सोमवार को अपने निर्धारित समय से 2 घंटे से अधिक की देरी से जमालपुर स्टेशन पहुंची. सप्ताह के पहले दिन ट्रेन के इतने विलंब से चलने के कारण दैनिक यात्रियों, सरकारी कर्मचारियों और छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. रीशेड्यूल होने के कारण पटना से ही लेट खुली ट्रेन इस ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों ने बताया कि सामान्य तौर पर पटना-दुमका एक्सप्रेस पटना जंक्शन से सुबह 6:35 बजे अपने निर्धारित समय पर गंतव्य के लिए रवाना होती है. परंतु, सोमवार को इस ट्रेन को 2 घंटे के लिए रीशेड्यूल कर दिया गया था. इसके कारण यह ट्रेन पटना से सुबह 8:32 बजे रवाना हो सकी. जमालपुर स्टेशन पर इस ट्रेन के पहुंचने का नियमित समय सुबह 9:29 बजे है, लेकिन पटना से ही लेट खुलने के कारण यह ट्रेन पूर्वाह्न 11:46 बजे जमालपुर स्टेशन पहुंची. कर्मचारियों को हुई देरी, छात्रों की छूटी कोचिंग सोमवार को ट्रेन के लेट होने से जमालपुर और आसपास के इलाकों में जाने वाले रेल यात्रियों के चेहरे पर परेशानी साफ देखी गई. ट्रेन में सफर कर रहे कई सरकारी कर्मचारियों ने बताया कि अगर ट्रेन सही समय पर चलती है, तो वे लोग समय पर जमालपुर पहुंचकर अपने कार्यालय चले जाते हैं. लेकिन सोमवार को ट्रेन काफी लेट होने के कारण उन्हें ड्यूटी पर पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. वहीं, कई छात्र-छात्राओं ने भी अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि ट्रेन लेट होने की वजह से उनकी कोचिंग की क्लास छूट गई है, जिससे उनकी पढ़ाई का नुकसान हुआ है.

बिहार में अगले तीन दिनों तक आंधी-बारिश का चलेगा दौर, आज 19 जिलों में येलो अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में फिलहाल लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली हुई है. इस बीच मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है. साथ ही आज 19 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. बिहार में मौसम इन दिनों खुशनुमा बना हुआ है. दोपहर के वक्त धूप की वजह से गर्मी झेलनी पड़ रही है. लेकिन सुबह और शाम के वक्त मौसम सुहावना हो जा रहा है. इस बीच मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिनों तक राज्य में आंधी-बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है. आज इन 19 जिलों में अलर्ट जारी मौसम विभाग ने आज 19 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. उन 19 जिलों में शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, कटिहार, मुंगेर, भागलपुर, जमुई और बांका शामिल है. बिगड़ते मौसम को देखते हुए लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है. 11 से 13 मई तक के लिए एडवाइजरी जारी पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 11 मई से उत्तर बिहार के कई जिलों में मौसम बदलेगा. पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल और अररिया में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. तेज हवाएं भी चल सकती हैं. 12 मई को मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार और आसपास के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने का खतरा ज्यादा रहेगा. मौसम विभाग ने इन इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. हवा की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. 13 मई को कुछ इलाकों में मौसम थोड़ा शांत हो सकता है, लेकिन उत्तर-पूर्व बिहार के जिलों में बारिश और तेज हवा का असर बना रह सकता है. कई जगहों पर बादल छाए रहेंगे और मौसम बदलता रहेगा. पटना समेत दक्षिण बिहार में भी आसमान में बादल रह सकते हैं. रविवार को कैसा रहा मौसम? रविवार को बिहार में गर्मी ने एक बार फिर लोगों की परेशानी बढ़ा दी. रविवार को राज्य के कई जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया. सबसे अधिक तापमान कैमूर के भभुआ में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. उत्तर बिहार के जिलों में भी उमस भरी गर्मी का असर देखने को मिला. लेकिन अधिकतर जिलों में बारिश नहीं हुई. मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली -3886

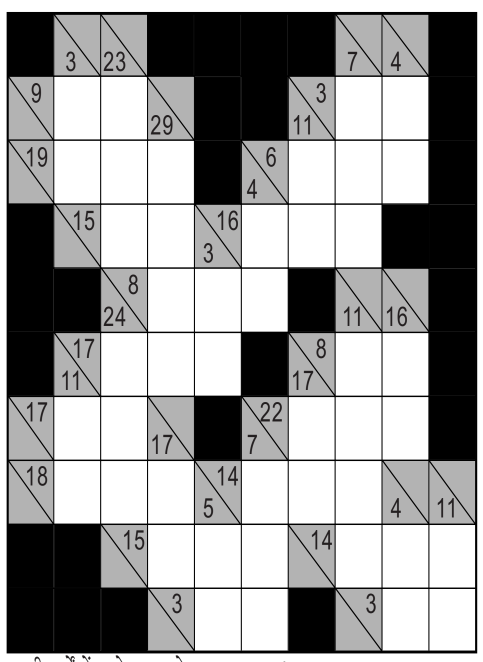

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

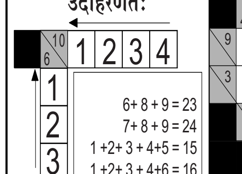

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3885 का हल

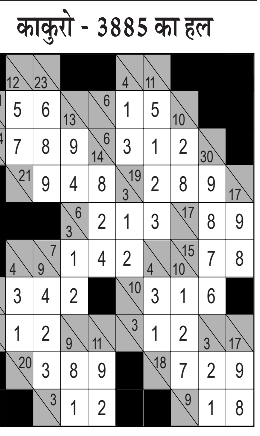

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

▯ ▯ ▯

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

▯ ▯ ▯

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 3886

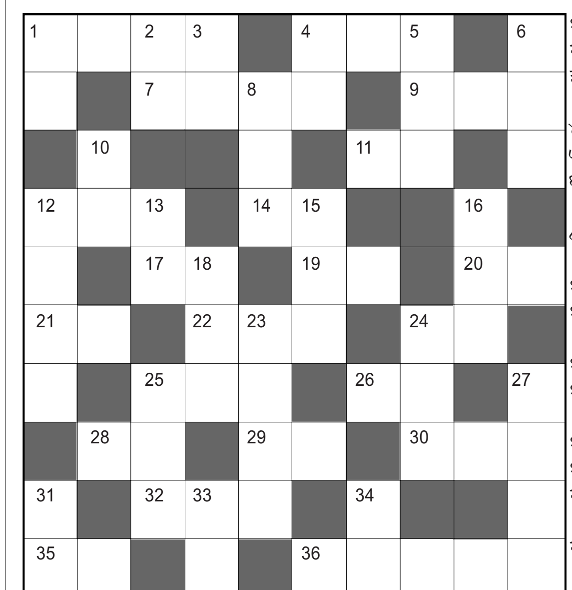

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेंद्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3885

सूडोकु -3886

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3885 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3886

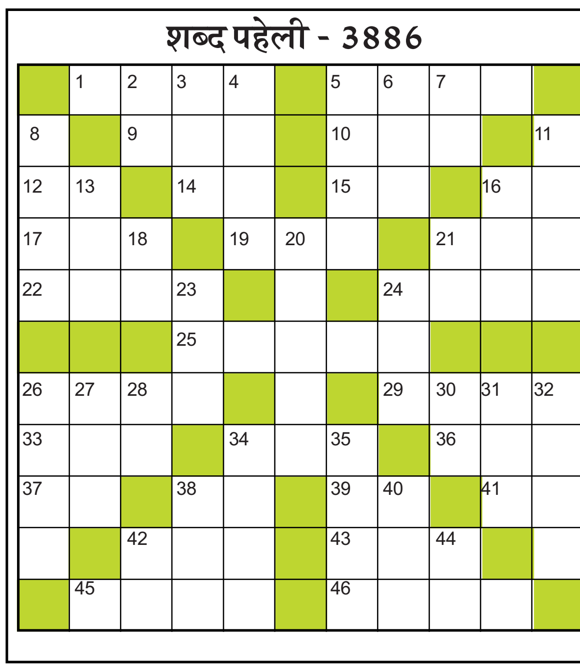

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली - 3885 का हल

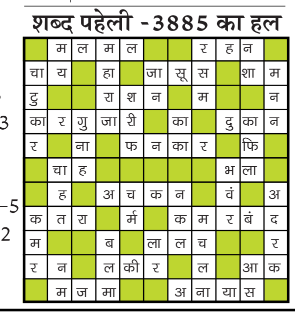

कैंसर

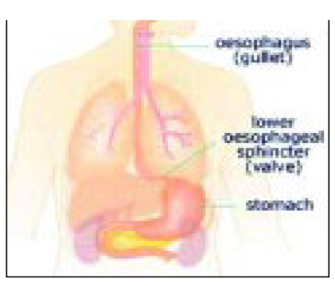

यह कैंसर उन लोगों में पाया जाता है, जो तम्बाकू सेवन के आदी होते हैं और साठ साल के बाद भी इसका सेवन करते रहते हैं। तम्बाकू के साथ ही यदि कोई व्यक्ति शराब का नियमित सेवन करता है तब तो और भी अधिक जानलेवा हो सकता है । उम्र बढ़ने के साथ प्रतिरोध क्षमता घटने लगती है, ऐसी अवस्था में इनका सेवन घातक हो सकता है।

जरूरी नहीं कि यह जानलेवा बीमारी धूम्रपान और शराब का सेवन करने वालों को होती हो। पोषण युक्त भोजन की कमी से भी यह बीमारी हो सकती है। यह बीमारी महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों में ज्यादा होती है। भारत में यह बीमारी तेजी से फैल रही है। शुरूआत में निगलने में कष्ट और चिपचिपापन महसूस होता है। लेकिन, लंबे समय बाद बीमारी अपना रूप लेने लगती है। इसके लिए देरी न करके तुरन्त चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। अन्यथा यह श्वसन नलिका तक फैलकर 'ट्रेकियो इसोफेजियल फिस्टुल' उत्पन्न कर सकती है।

प्रारंभिक अवस्था में प्राकृतिक उपचारों से ही इस पर काबू पाया जा सकता है। आजकल काजू या बादाम कतली पर चांदी नुमा सफेद पर्त लगा दी जाती है, जो शादी विवाहों के अवसर पर मेहमानों को परोस दी जाती है। चांदी और सोने के भावों से प्रत्येक वाकिफ है। ऐसे में यह सफेद पर्त एल्यूमिनियम की ही पतली परत होती है ,जो कैंसर को सीधा निमंत्रण देती है। कुछ होमियोपैथिक दवाइयां जैसे कार्सिनोसिन, लेपिस एल्बा, कार्बोवेज चिकित्सक की सलाह से लेने से लाभ मिल सकता है। जवारे का रस रोजाना सुबह खाली पेट पीने से काफी फायदा होगा।

खूब सूप पिएं और कैलोरी घटाएँ

क्या आप अपनी कैलोरी कम करने का कोई कारगर तरीके तलाश रहे हैं? तो हमारे पास आपके लिए कैलोरी घटाने का एक बहुत आसान तरीका है। अपनी कैलोरी घटाने के लिए भोजन करने से पहले बस आप सूप का सेवन करिए। फिर देखिए, आपकी कैलोरी कितनी कम हो जाती है।

पेन स्टेट में की गई शोध से इस तथ्य का पता चला है कि भोजन के पहले कैलोरी कम करने वाले सूप के सेवन से कैलोरी घटाने में काफी सहायता मिलती है। इतना ही नहीं सूप के सेवन से आपकी कैलोरी में 20 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है।

शोधकर्ता बार्बरा रोल्स के अनुसार, विभिन्न प्रकार के सूप का शरीर में जाने वाले भोजन की मात्रा पर अलग-अलग असर पड़ता है। वह यह भी कहती हैं कि हमारे इस शोध का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के सूप का शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का पता लगाना है।

साथ ही इस शोध में शोधकर्ताओं ने यह भी माना कि सूप को बनाने के तरीके का भी भोजन लेने की मात्रा पर बहुत प्रभाव पड़ता है। इस शोध में चिकन, ब्रोकली, आलू, फूलगोभी, गाजर और मक्खन से बनाए गए सूप का अध्ययन किया गया।

इतना ही नहीं, इन सब्जियों से अलग-अलग विधि द्वारा विभिन्न रूपों में तैयार सूप का भी परीक्षण किया गया। शोध से पता चला कि विभिन्न प्रकार के सूप को चबाने की मात्रा पर भी निर्भर करता है, कि वह सूप कैलोरी को कितनी मात्रा में कम कर सकता है।

साथ ही इस शोध में यह भी पाया गया कि अधिक क्रीम वाले या कैलोरी बढ़ाने वाले सूप का सेवन शरीर के लिए काफी नुकसानदानक है। ऐसे सूप के सेवन से 100 से 150 तक कैलोरी में वृद्धि हो सकती है। इस शोध का पूरा विवरण वाशिंगटन में हुई ऐक्सपेरिमेन्टल बायोलाजी कान्फ्रेन्स में प्रस्तुत किया गया।

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं हैं। (TOP Legal Cell)

गठिया के इलाज में लाभकारी है चाय-पत्ती

हाल ही में हुई एक शोध में मिशिगन हेल्थ सिस्टम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि चाय की हरी पत्तियों की सहायता से गठिया जैसे रोग का इलाज सम्भव है।

इस शोध में चाय-पत्ती से निकलने वाले एक पदार्थ का पता लगाया है जिसका नाम हैएपिगैलोसेटचिन-3-गैलेट(ईजीसीजी)। शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह तत्व शरीर में गठिया से प्रतिरक्षा की क्षमता उत्पन्न करता है। साथ ही यह इससे होने वाली क्षति की भी पूर्ति करता है।

इस पदार्थ के द्वारा गठिया से ग्रसित रोगियों में ज्वलनशीलता को कम करने में भी सहायता मिलती है। शोधकर्ता सलाह-उद्-दीन अहमद के अनुसार, हमारी शोध गठिया से ग्रसित लोगों के उपचार के क्षेत्र में काफी सहायक है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने गठिया से ग्रसित लोगों के शरीर में सिनोवियल नामक कोशिका को खोजा, जिन्हें चाय-पत्तियों द्वारा सँयोजित करके उनमें साइकोटीन IL-1FO नामक प्रोटीन को डाला। इस क्रिया से गठिया से ग्रसित कोशिकाओं का उपचार किया गया। इस शोध में वैज्ञानिकों ने गठिया से हड्डियों पर पड़ने वाले प्रभावों का भी निरीक्षण किया। साथ ही शोधकर्ताओं ने यह भी माना कि चाय-पत्ती में घुटनों के दर्द को समाप्त करने के भी गुण छिपे हुए हैं। अहमद का कहना है कि शरीर में पाया जाने वाला ईजीसीजी पदार्थ, चायपत्ती में पाए जाने वाले ईजीसीजी नामक तत्व से ही निर्मित होता है, जो गठिया के रोग से होने वाली क्षति की भरपाई करता है।

रीना और संदीप दो दिन बाद घर लौटे थे। थकान के कारण, जाने से पहले जो सब्जी बनाई थी, उसी से उन्होंने खाना खा लिया। नतीजतन रीना को हॉस्पिटलाइज होना पड़ा। रमा अकेली रहती है। ऑफिस से थकने के बाद अक्सर बाहर खाना खा लेती है। एक दिन उसे बदहजमी ने इतना परेशान किया कि तीन दिन तक छुट्टी लेनी पड़ी। संजय के साथ भी ऐसा ही हुआ। उसने गर्मी में ज्यादा जंक फूड खा लिया था। इस तरह के वाकये आए दिन सुनने में आते हैं। असल में यह स्थिति 'फूड पॉयजनिंग' के कारण होती है। फूड पॉयजन मामूली बदहजमी से जानलेवा तक हो सकता है। निर्भर करता है कि किस तरह का फूड पॉयजन हुआ है। फ्रोजन, माइक्रोवेव्ड, जंक फूड, चटपटे व्यंजन इस रोग के जनक हैं। सबसे हानिकारक होता है- बैक्टीरियल फूड पॉयजनिंग।

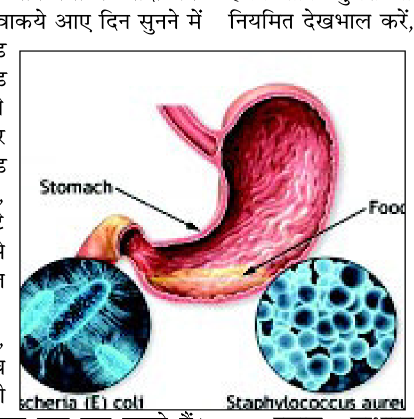

साधारण लक्षण : उल्टी, दस्त, गैस की समस्या चार-पांच घंटों में ही शुरू हो जाती है। दिमागी बीमारी या अन्य लक्षण लंबे समय बाद पता चलते हैं। हल्का बुखार, जुकाम, पेटदर्द और यहां तक कि फूड पॉयजन से मृत्यु भी हो सकती है।

बैक्टीरिया : बैक्टीरिया तीव्र गति से दोगुने होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक एक बैक्टीरिया से आठ घंटों के अंदर चार मिलियन बैक्टीरिया पैदा हो सकते हैं। इन्हें नंगी आंखों द्वारा नहीं देखा जा सकता है। न ही सूंघने पर इनकी उपस्थिति मालूम पड़ती है। बैक्टीरिया अपने वातावरण में ही जल्दी बढ़ते हैं। जैसे ज्यादा या कम तापमान, वातावरण में आर्द्रता, कम पका या ज्यादा पका खाना आदि।

सुरक्षा के उपाय : दो तरह के बैक्टीरिया होते हैं। पहले साधारण बीमारियां जैसे- जलन, सूजन पैदा करते हैं। दूसरे खाने में केमिकल जिन्हें टॉक्सिन कहते हैं, बनाते हैं। वैसे चालीस डिग्री फॉरेनहाइट से कम ताप पर बैक्टीरिया कम जन्म लेते हैं। इन्हें साधारण ताप पर पकाने से नष्ट भी किया जा सकता है। फूड पॉयजन से बचने का सुलभ तरीका है कि साफ-सुथरा खाना खाएं। बर्तन साफ रखें, स्टोर की नियमित देखभाल करें, फ्रीज की सफाई पर ध्यान दें। हर चीज को भरने की आदत न डालें। चीजें जल्दी खत्म करने की सोचें। हाथ सफाई से धोएं। किचन साफ रखें और फ्रीज में रखी सब्जी आदि को एक बार गर्म कर लें। सब्जियों को ज्यादा ना पकाएं। माइक्रोवेव में बार-बार रीहीटिंग से बचें। फल, सलाद और अंकुरित अवयव शामिल करें। इससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। बाहर खाने की आदत हो, तो सोच-समझकर खाएं। रेस्तरां के माहौल, किचन के बारे में जानकारी रखें।

इलाज : साधारण फूड पॉयजन से कुछ घंटों या दो दिन में निजात पाई जा सकती है। बीपी पेशेंट, डाइबिटीज वाले मरीजों को डॉक्टर की जरूरत पड़ती है। यदि हालत ज्यादा खराब हो तो तुरंत हॉस्पिटल जाना चाहिए। क्योंकि, इंफेक्शन बढ़ सकता है। आवश्यकता पड़ने पर खाए गए पदार्थ का टेस्ट भी करवाना चाहिए। इससे उसमें मौजूद बैक्टीरिया का पता लगाया जा सकता है। आपने हाल ही में क्या-क्या खाया है, इसी से डॉक्टर निदान ढूंढ़ते हैं। आप खाने से पहले रूकें, सोचें और फिर खाएं। क्योंकि, खाने के बाद कुछ नहीं हो सकता है।

अपेंडिक्स क्या-क्यों और कैसे ?

अपेंडिक्स आँत का एक टुकड़ा है। इसे डॉक्टरी भाषा में एपिन्डिसाइटिस कहते हैं, मरीज के लिए ही नहीं डॉक्टरों के लिए भी एक समस्या है क्योंकि इसका इलाज इतना आसान नहीं है, इसका कारण यह है कि प्रायः यह सुनिश्चित करना कठिन होता है कि दर्द अपेंडिक्स का है।

अपेंडिक्स आँत का एक टुकड़ा है। इसे डॉक्टरी भाषा में एपिन्डिसाइटिस कहते हैं, मरीज के लिए ही नहीं डॉक्टरों के लिए भी एक समस्या है क्योंकि इसका इलाज इतना आसान नहीं है, इसका कारण यह है कि प्राय: यह सुनिश्चित करना कठिन होता है कि दर्द अपेंडिक्स का है भी या नहीं।

चूँकि हमारे पेट में कई अंग होते हैं, इन अंगों की अनेक बीमारियों में पेटदर्द, बुखार, उल्टी आदि लक्षण समान ही होते हैं। साथ ही पेट के अनेक अंगों व दूसरे रोगों के भौतिक परीक्षण और पूर्व इतिहास भी मिलते-जुलते होते हैं इसलिए अपेंडिक्स को सुनिश्चित करने तथा इसके अंतिम निदान की समस्या प्राय: बनी ही रहती है। फिर भी पूरी तरह परीक्षण किए बगैर मामूली से या अन्य किसी कारण से होने वाले पेटदर्द के निदान के लिए इस अवशेषी अंग को निकाल फेंकना गलत है।

आंत के इस अवशिष्ट टुकड़े का एक सिरा खुला होता है और दूसरा सिरा पूरी तरह बंद। भोजन का कोई कण इसमें प्रवेश कर जाता है तो दूसरा सिरा बंद होने के कारण दूसरी ओर से यह निकल नहीं पाता। इसका परिणाम यह होता है कि अपेंडिक्स संक्रमित हो जाता है।

लंबे समय तक लगातार कब्ज रहना, पेट में पलने वाला परजीवी तथा आंत के क्षयरोग आदि से अपेंडिक्स की नली में अवरोध हो जाता है। ऐसे भोजन का सेवन करना जिसमें रेशा बहुत ही कम या बिल्कुल न हो, भी इस समस्या को निमंत्रण दे सकता है। जब यह अवरोध कुछ दिनों तक लगातार बना रहता है तो अंतत: संक्रमण होकर अपेंडिक्स के फटने की स्थिति आ जाती है। अपेन्डिक्स का फटना एक आपात स्थिति है।

अपेंडिक्स के लक्षण

नाभि के आसपास तेजदर्द, जी मचलाना, उल्टी, भूख कम लगना आदि अपेंडिक्स के लक्षण हो सकते हैं। यह दर्द पेट के दाएँ भाग में नीचे की तरफ होता है। इस स्थान पर छूने से रोगी को तीव्र दर्द होता है। दायाँ पैर आगे बढ़ाने तक से रोगी का दर्द बढ़ सकता है। ऐसे में रोगी की नब्ज तेज चलती है और उसे तेज बुखार भी हो सकता है।

ऐसी स्थिति में उचित उपचार न मिले तो पेट के दाएँ भाग में गोला बन सकता है अथवा अपेंडिक्स फट भी सकता है। पेट में बना हुआ गोला तो तीन-चार सप्ताह से सामान्य हो जाता है परन्तु अपेंडिक्स फटने से पेट की झिल्ली भी संक्रमित हो जाती है, जो कि एक गंभीर स्थिति है।

इस स्थिति को उग्र अपेंडिक्स शोध कहते हैं। चिरकालिक अपेंडिक्स शोध के लक्षण प्राय: भ्रमित करने वाले होते हैं। इसमें हल्का-हल्का पेट दर्द होता है जो खाने-पीने के कारण नहीं होता है।

संक्षिप्त डायरी

हाईवे किनारे खड़ी बस में लगी भीषण आग, एक घंटे तक मची अफरा-तफरी; देखें वीडियो

एटा (एजेंसी) मैनपुरी के किशनी में हाईवे किनारे खड़ी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। दमकल ने एक घंटे में आग पर काबू पाया, लेकिन इस दौरान आधे घंटे तक हाईवे जाम रहा और एबुंलेंस भी फंस गई। मैनपुरी के किशनी में ग्वालियर-बरेली राजमार्ग पर साई पेट्रोल पंप के सामने बस में अचानक आग लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल बुलाकर बमुश्किल आग पर काबू पाया। तब तक मार्ग के दोनों ओर जाम के हालात रहे। इसमे एम्बुलेंस भी आग बुझने तक फंसी रही। बाद में पुलिस ने यातायात सुचारू करवाया। सोमवार को ग्वालियर-बरेली राजमार्ग पर साई पेट्रोल पंप के सामने दूसरी ओर किशनी-मैनपुरी मार्ग की प्राइवेट बस संख्या यूपी83टी2855 खड़ी थी। अचानक बस में आग लग गयी।आग ने इतना विकराल रूप ले लिया। पेट्रोल पंप संचालक मुकेश यादव ने पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी और अपने कर्मियों से आग बुझाने के उपकरण बाहर लेकर खड़ा करवा दिया। सूचना पर पुलिस व दमकल कर्मी पहुंच गए और आग को एक घण्टे कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा पाया। विकराल आग को देखकर हाइवे से गुजरने वाले वाहनो की आधा घण्टे तक इस गर्मी में दोनों ओर कतार लग गयी। वाहनों के बीच मे एम्बुलेंस भी आग बुझने तक फंसी रही। स्थानीय लोगों की माने तो यह आग खेत मे लगाई गई आग से हवा तेज होने के चलते लगी है। मार्ग के किनारे किसी किसान ने गेंहू के पुआल में आग लगाई थी जिसको भी दमकल कर्मी बुझा रहे थे। सूचना पाकर प्राइवेट बस मालिक अजय यादव निवासी लेखराजपुर कुर्रा का बेटा भी मौके पर पहुंच गया था।

महिला को जान से मारने की धमकी, हवाई फायरिंग की, वकील समेत तीन लोग हिरासत में

बरेली (एजेंसी) बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में फायरिंग का मामला सामने आया है। पड़ोसी महिला ने तीन भाइयों पर जान से मारने की धमकी देने और फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के घेर जाफर खां निवासी महिला गुलशन ने तीन भाइयों पर जान से मारने की धमकी देने, हवाई फायरिंग और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। इस मामले में जगतपुर चौकी पुलिस ने वकील समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। गुलशन का आरोप है कि सुब्हान उर्फ फायक, इरफान और इमरान (सगे भाई) उसे व परिवार को लगातार परेशान कर रहे हैं। शुक्रवार दोपहर वह अपनी दो बेटियों के साथ घर पर थी, तभी सुब्हान दरवाजे पर आया। उसने परिवार को जान से मारने की धमकी दी और गाली-गलौज करने लगा। हवाई फायरिंग भी की। गुलशन के मुताबिक, उस समय पति और दो बेटे दुकान पर थे। इन तीनों भाइयों के खिलाफ पहले भी मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। इसके बावजूद वे दबंगई करते रहते हैं। गुलशन ने आरोपियों का वीडियो भी पुलिस को मुहैया कराया है। बारादरी इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह ने बताया कि एक फायर की बात सामने आई है। तीन आरोपी हिरासत में लिए हैं। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुरानी रंजिश में दो युवकों पर चाकू से किया हमला बारादरी थानाक्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस के पहुंचने पर हमलावर मौके से भाग गए। घायल युवकों की पहचान सैलानी निवासी अयान और उसके दोस्त सारिक के रूप में हुई है। अयान ने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ घर से निकला था। घर से कुछ दूरी पर अनस और छोटे ने अपने चार-पांच साथियों के साथ घेर लिया। आरोप है कि कहासुनी के बाद आरोपियों ने उन दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। इससे दोनों लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

बीपी की जांच कराने अस्पताल पहुंचे मरीज ने महिला को मारी गोली, मौत

चंदौली (एजेंसी) इस सनसनीखेज मामले की जानकारी मिलते ही अलीनगर थाने पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अस्पतालकर्मियों और ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। उससे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई की थी। चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र स्थित कमलापुर के जीवक अस्पताल में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब अस्पताल में भर्ती एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान लक्ष्मीना (55) निवासी सासाराम के रूप में हुई है। वह पिछले कई दिनों से अस्पताल में भर्ती थीं। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे एक युवक अस्पताल पहुंचा। उसने खुद को मरीज बताते हुए बीपी की दवा ली और इलाज के बहाने अस्पताल के ऊपर स्थित वार्ड में पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ने अचानक महिला की कनपटी पर पिस्टल सटा दी और गोली मार दी। गोली लगते ही महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीजों व तीमारदारों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि अस्पताल से बाहर निकलते समय आरोपी ने एक और फायर किया। इसके बाद वह बाइक से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण और अस्पताल कर्मी जुट गए। लोगों ने पीछा कर आरोपी युवक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर अपने साथ थाने ले गई।

22 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त, दर्ज है 78 FIR; गैंग का लीडर था

आजमगढ़ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में चिन्हित माफिया ध्रुव सिंह पर हत्या, रंगदारी और संगठित अपराध से अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोप हैं। पुलिस के अनुसार अपराध से कमाए धन से उसकी आलीशान हवेली तैयार की गई थी। माफिया पर प्रदेश के विभिन्न थानों में 78 प्राथमिकी दर्ज हैं और उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। प्रदेश स्तर पर चिन्हित माफिया ध्रुव कुमार सिंह उर्फ कुंटू सिंह के खिलाफ पुलिस और प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसकी लगभग डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति कुर्क कर दी। सीओ सिटी शुभम तोदी ने बताया कि यह संपत्ति हत्या, लूट, रंगदारी, अपहरण और अन्य संगठित अपराधों से अर्जित अवैध धन से तैयार की गई थी। इसके साथ ही अब तक माफिया की कुल 22 करोड़ 05 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन और क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोदी की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के छपरा सुल्तानपुर गांव निवासी ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह का हिस्ट्रीशीटर 138ए तथा गैंग नंबर आईआर-36 का लीडर बताया गया है।

योगी मंत्रिमंडल विस्तार: फिर खाली रही बस्ती मंडल की झोली, कार्यकर्ताओं और नेताओं में मायूसी

गोरखपुर (एजेंसी) यूपी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में बस्ती मंडल के हाथ एक बार फिर खाली रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नए मंत्रिमंडल में बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर जिले से किसी भी विधायक या नेता को जगह नहीं मिली। विस्तार से पहले मंडल के कई दिग्गज नेताओं के नाम चर्चा में थे, लेकिन सूची जारी होते ही कार्यकर्ताओं में मायूसी छा गई। सियासी जानकारों का मानना है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने में बस्ती मंडल पिछड़ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल विस्तार में बस्ती मंडल की झोली खाली ही रही। इससे पार्टी नेताओं में

मायूसी है। योगी के पहले कार्यकाल में सिद्धार्थनगर से दो मंत्री बनाए गए थे। बस्ती मंडल में तीन जिले बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर हैं। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में सिद्धार्थनगर जिले से इटवा के विधायक सतीश द्विवेदी और बांसी के विधायक राजा जय प्रताप सिंह मंत्री बनाए गए थे। उस दौरान मंडल की कुल 13 विधानसभा सीटों में 12 सीटें भाजपा की झोली में आई थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में सीटें घटकर आठ रह गईं। इसमें बस्ती से एक, संतकबीरनगर से तीन और सिद्धार्थनगर से चार सीटें पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। भाजपा कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि योगी सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार में कम से एक विधायक को जरूर जगह मिलेगी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के आचार्य एवं राजनीतिक विश्लेषक प्रो. गोपाल प्रसाद कहते हैं कि, इसी अंचल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सीधा ताल्लुक है। मुख्यमंत्री योगी और महराजगंज से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी यहीं से हैं शायद इसीलिए बस्ती मंडल से किसी को जगह नहीं मिली। मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान जातीय, सामाजिक संतुलन को पार्टी अपनी कसौटी पर परखती है। इसे उपेक्षा की दृष्टि से देखना ठीक नहीं होगा। संभव है कि संगठनात्मक ढांचे में यहां के लोगों को ज्यादा तवज्जो दी जाए। गोरखपुर मंडल को नहीं थी उम्मीद मंत्रिमंडल विस्तार में गोरखपुर मंडल से पार्टी नेताओं को बहुत उम्मीद नहीं थी, इसकी वजह भी है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि यही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी महराजगंज से सांसद हैं और गोरखपुर शहर में ही उनका निवास है। गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे और राज्यसभा सदस्य डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल वर्तमान में राष्ट्रीय महामंत्री हैं। इसके अलावा बांसगांव लोकसभा क्षेत्र से सांसद कमलेश पासवान भी केंद्र सरकार में राज्यमंत्री हैं। देवरिया जिले की पथरदेवा विधानसभा सीट से विधायक सूर्य प्रताप शाही प्रदेश सरकार में कृषि मंत्री और सलेमपुर की विधायक विजयलक्ष्मी गौतम प्रदेश सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री हैं। कमलेश पासवान ने दी बधाई केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल सभी विधायकों को बधाई दी है। कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सभी जनसेवा व सुशासन के संकल्पों के साथ विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेंगे।

हार नहीं मानी...तो मिल ही गई MBBS की डिग्री- सपना हुआ पूरा

कुशीनगर (एजेंसी) गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से एक अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां एक छात्र ने 17 साल की लंबी जद्दोजहद के बाद एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली है। 2009 बैच के इस छात्र को बार-बार परीक्षाओं में असफलता मिली, लेकिन उसने हार नहीं मानी। आखिरकार 2026 में सभी विषयों में पास होकर उसने एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर ली। बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2009 बैच में दाखिला लेने वाले एक छात्र ने आखिरकार 17 साल बाद एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली है। एमबीबीएस पास करने के बाद अब छात्र बीआरडी मेडिकल कॉलेज के एनेस्थीसिया विभाग में ही एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप करेगा। कई बार परीक्षा में असफल होने के बाद छात्र को गाइडलाइन के तहत मार्च महीने में अंतिम अवसर दिया गया था। अप्रैल में परीक्षा कराई गई थी।रिजल्ट में उसने परीक्षा पास कर ली है। हाल ही में परिणाम घोषित होने के बाद कॉलेज परिसर में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। छात्र एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र देव के अंडर में वह प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। डॉ. नरेंद्र देव ने कहा कि छात्र की रुचि और सीखने की क्षमता को देखते हुए उसे विभागीय कार्यों में शामिल किया जाएगा। इंटर्नशिप के दौरान वह अन्य जूनियर छात्रों के साथ अस्पताल की विभिन्न जिम्मेदारियां निभाएगा। कॉलेज से जुड़े लोगों के अनुसार छात्र अंतिम वर्ष में कई बार फेल हुआ लेकिन हार नहीं मानी। लगातार असफलताओं के बावजूद उसने पढ़ाई जारी रखी और पेपर देता रहा। आखिरकार वह सफल भी हो गया। मेडिकल कॉलेज के कई शिक्षक और छात्र इसे संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की मिसाल मान रहे हैं। डॉ. नरेंद्र देव ने बताया कि अब छात्र डॉक्टर बनने की अंतिम प्रक्रिया पूरी करते हुए अस्पताल में मरीजों की सेवा से जुड़ा अनुभव हासिल करेगा।

'पिटाई, गालियां और खाने में बासी रोटियां, यही थी रोजमर्रा की जिंदगी', काश्तकार ने दीं जानवरों जैसी यातनाएं

जालौन (एजेंसी) मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया। टिनशेड वाले कमरे से चार मजदूरों को बंधक बनाकर उनसे कथित रूप से मजदूरी कराई जा रही थी। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर चारों मजदूरों को मुक्त कराया। जगनेवा गांव में बंधुआ मजदूरी के खुलासे के बाद जो कहानी सामने आई, उसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। जिन चार मजदूरों को पुलिस ने टिनशेड वाले कमरे से मुक्त कराया, उनकी जिंदगी किसी कैदखाने से कम नहीं थी। भूख, पिटाई, गालियां और अमानवीय यातनाएंङ्घ यही उनकी रोजमर्रा की जिंदगी बन चुकी थी। मजदूरों ने बताया कि उनसे उनकी क्षमता से कहीं अधिक काम कराया जाता था। सुबह से देर रात तक गोबर उठवाना, पशुओं को चारा डालना, खेतों में मजदूरी कराना

और घर के अन्य काम करवाए जाते थे। काम में जरा सी कमी होने पर उन्हें जानवरों की तरह पीटा जाता था। दिनभर की मजदूरी के बदले उन्हें भरपेट भोजन तक नसीब नहीं होता था। मजदूरों ने बताया कि घर में बची हुई बासी रोटियां उन्हें खाने के लिए दी जाती थीं। चार लोगों में मुश्किल से सौ ग्राम दाल बांटी जाती थी, ताकि वे केवल जिंदा रह सकें। कई बार बासी रोटी के साथ चटनी या भर्ता देकर ही उन्हें पूरा दिन गुजारना पड़ता भटके लोगों को बनाते थे निशाना, फिर बना लेते थे बंधक ग्रामीणों के अनुसार आरोपी राह चलते भोले-भाले और भटके हुए लोगों को अपना निशाना बनाते थे। पहले उनसे बातचीत करते, फिर उन्हें गंतव्य तक छोड़ने का भरोसा देते। इसके बाद उन्हें अपने घर ले जाकर बंधक बना लिया जाता था। एक बार उनके कब्जे में आने के बाद मजदूरों से बिना पैसे मजदूरी कराई जाती थी। भागने की कोशिश करने या काम से मना करने पर इतनी यातनाएं दी जाती थीं कि मजदूर पूरी तरह टूट जाते थे। दो साल से कैद जिंदगी, बोलने तक पर थी पाबंदी मुक्त कराए गए मजदूरों में दिल्ली विजय नगर निवासी अनिल, बरेली निवासी वीरेंद्र और हमीरपुर के कछुआ कला निवासी प्रेमचंद्र ने बताया कि वे करीब दो साल से आरोपियों के चंगुल में फंसे हुए थे। वहीं राठ क्षेत्र के बेगए गांव निवासी धर्मेंद्र ने बताया कि वह करीब 17 दिन पहले रास्ते से गुजर रहा था, तभी इन लोगों ने उसे बाइक पर बैठाया और बहाने से अपने घर ले गए। वहां उसे बंधक बना लिया गया। विरोध करने पर बेरहमी से पीटा। इसके बाद वह डर के साए में मजदूरी करने को मजबूर हो गया। मजदूरों ने बताया कि उन पर बोलने तक की पाबंदी थी। उन्हें सिर्फ आदेश सुनने और काम करने की अनुमति थी।

फिरोजाबाद पुलिस ने दबोचा बाइक चोरों का वो गैंग, जो लंबे समय से था सक्रिय; मुठभेड़ में एक बदमाश घायल

फिरोजाबाद (एजेंसी) फिरोजाबाद के रसूलपुर क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार किए गए। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि पुलिस ने चोरी की तीन बाइक और अवैध हथियार बरामद किए। फिरोजाबाद के थाना रसूलपुर क्षेत्र में शनिवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया। जवाबी कार्रवाई के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल, दो अवैध तमंचे और कारतूस बरामद किए हैं। एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया कि थाना रसूलपुर पुलिस संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोढा से जमालपुर और मोतीनगर जाने वाले तिराहे के

पास पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान आसिफ निवासी गली नंबर- सात रसूलपुर टंकी के पास पुराना रसूलपुर हाल निवासी किराये का मकान लेबर कॉलोनी वेस्ट ग्लास के पास थाना लाइनपार तथा योगेंद्र कुमार उर्फ अर्जुन निवासी गांव जरौली ऊधी मोड के पास इटावा हाल निवासी नवी खां किराये के मकान में डोरी गांव बछगांव चौराहा थाना नारखी क्षेत्र के रूप में हुई। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद कीं, जिनमें दो बाइक हाल ही में रसूलपुर थाने में दर्ज चोरी के मुकदमों से संबंधित निकलीं। तलाशी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से दो तमंचे, चार जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए। आरोपी लंबे समय से वाहन चोरी की घटनाओं में सक्रिय थे और इनके खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी आसिफ पर आर्म्स एक्ट समेत चोरी के कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। वहीं योगेंद्र के खिलाफ भी वाहन चोरी के मामले दर्ज पाए गए हैं।

योगी के मंत्रिमंडल विस्तार पर मायावती ने दी प्रतिक्रिया, कहा- इसका सकारात्मक असर जनता में दिखना भी चाहिए

लखनऊ (एजेंसी) उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि वैसे तो मंत्रिमण्डल का घटाना-बढ़ाना व विस्तार आदि सत्ताधारी पार्टी का आन्तरिक राजनीतिक चिन्तन का मामला ज्यादा होता है और इसीलिये उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल के कल हुये विस्तार के बारे में कुछ भी टीका-टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, किन्तु कुल मिलाकर इसका अच्छा प्रभाव आमजन के हित के साथ-साथ खासकर सर्वसमाज के गरीबों, मजदूरों,

किसानों, युवाओं के जीवन की बेहतरी एवं महिला सुरक्षा-सम्मान आदि पर पड़ता हुआ दिखना भी जरूर चाहिये, वरना लोग इसको राजनीतिक जुगाड़ तथा सरकारी संसाधन पर बढ़ा हुआ बोझ ही मान लेंगे। इतना ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्गों में भी विशेषकर कमजोर तबकों के जान, माल व मजहब की सुरक्षा व उन्हें न्याय मिलता हुआ महसूस होने पर सरकार व उनके सभी मंत्रियों के कार्यकलापों में परिलक्षित भी हो तो यह उचित होगा, जो कि सरकारों व उनके मंत्रियों की पहली संवैधानिक ज़िम्मेदारी बनती है। इसी क्रम में अभी हाल ही में राजधानी लखनऊ में ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले भाजपा के एक युवा नेता पर जानलेवा हमला होने से हर तरफ एक बार फिर से कानून-व्यवस्था के साथ-साथ इस बात पर भी चर्चा शुरू हो गयी है कि यूपी में ब्राह्मण समाज यहां केवल उपेक्षित ही नहीं बल्कि काफी असुरक्षित भी है जो अति-चिन्तनीय, जबकि बी.एस.पी. की रही सभी सरकारों में समाज के हर वर्ग के जान, माल व मजहब के साथ-साथ बेहतरीन कानून-व्यवस्था के तहत ब्राहमण समाज सहित समाज के सभी वर्गों को ॠसर्वजन हिताय व सर्वजन सुखायॠ की नीति व सिद्धान्त के अन्तर्गत न्याय और सुरक्षा दी गयी थी, जो कि सर्वविदित है। यूपी में रविवार को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में छह मंत्री बनाए गए हैं। वहीं, दो का प्रमोशन हुआ है।

यूपी तक पहुंची हाईप्रोफाइल मर्डर की गूंज, कोलकाता पुलिस ने तीन को दबोचा

अयोध्या (एजेंसी) पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में कोलकाता पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आरोपी बक्सर बिहार के रहने वाले हैं। जबकि, तीसरा आरोपी यूपी के बलिया का रहने वाला है। लेकिन, वर्तमान यह भी बक्सर में ही रहता है। इनमें से एक आरोपी राज सिंह अयोध्या के नगर कोतवाली क्षेत्र से पकड़ा गया है। हालांकि, इस मामले में जिले की पुलिस कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है। इसके अलावा मयंक मिश्रा और विक्की मौर्या को बक्सर से ही गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों मूल रूप से बक्सर के ही रहने

वाले हैं। नगर कोतवाली क्षेत्र की सीमा में हाईवे से किया गिरफ्तार सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से बलिया का रहने वाला राज सिंह लखनऊ की तरफ से लखनऊ-गोरखपुर हाईवे से आ रहा था। सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर कोलकाता पुलिस ने इसे नगर कोतवाली क्षेत्र की सीमा में हाईवे से ही गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, अभी तक इसके संबंध में ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जानकारी की जा रही है। लगातार दबिश दे रही थी पुलस बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड के बाद से वहां की पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में यूपी समेत कई राज्यों में दबिश दे रही थी। जांच एजेंसियां मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन ट्रैकिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास कर रही थीं। अब मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कोलकाता पुलिस आज दोपहर में प्रेस वार्ता करके गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देगी। राज सिंह की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी टीम सूत्रों के अनुसार, बंगाल पुलिस कई दिनों से राज सिंह की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। रविवार देर रात पुलिस टीम ने उसे अयोध्या में दबोच लिया और पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही बलिया के सदर कोतवाली क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में चचाओं का दौर शुरू हो गया। बता दें कि खुद को समाजसेवी कहने वाला राज सिंह जिले के वार्ड नंबर 15 से सभासद का चुनाव भी लड़ चुका है। राज सिंह के आनंद नगर स्थित आवास पर सोमवार को ताला बंद मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि उसके परिवार के सदस्य कहीं और चले गए हैं। मोहल्ले में दहशत और सन्नाटा पसरा हुआ है। पड़ोसियों के मुताबिक देर रात कई गाड़ियों के पहुंचने की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद सादे कपड़ों में कुछ लोग मोहल्ले में पहुंचे और पूछताछ करने के बाद वापस लौट गए। हालांकि स्थानीय लोग खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था चर्चा है कि राज सिंह को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। बताया जा रहा है कि कुछ वर्ष पूर्व सदर कोतवाली क्षेत्र में एक अंडा दुकानदार को गोली मारने के मामले में भी उसका नाम सामने आया था। उस प्रकरण में वह आरोपी रहा है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

अगर आपके बाल भी रूखे सूखे और बेजान हो गए हैं तो उन्हें सुलझाने के लिए और उनकी नेचुरल चमक को वापस लाने के लिए आप इन दो घरेलू नुस्खों को ज़रूर आज़माएं। इनकी मदद से आपके बाल न केवल शाइनी होंगे बल्कि जड़ से मजबूत और हेल्दी भी होंगे। साथ ही बालों का झड़ना भी कम होगा। चलिए, जानते हैं वे नुस्खे कौन से हैं?

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें इस्तेमाल, रेशम से सिल्की हो जाएंगे बाल

इन दो नुस्खों का करें इस्तेमाल :

अलसी का जेल : अलसी के बीजों में ऐसे कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं।अलसी में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड बालों को चमकने के अलावा उन्हें झड़ने से बचाता है। साथ ही ये सिर की त्वचा की सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : अलसी के जेल को शहद, दही के साथ मिलाएं। इस मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं, 15–20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें। इससे बालों में नमी और चमक बढ़ सकती है।

चावल का पानी : चावल का पानी कई पोषक तत्वों जैसे विटामिन क्र, ष्ट, श्व, मिनरल्स और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की सतह पर होने वाले घर्षण को कम करने में मदद करता है जिससे बाल रेशमी और चमकदार बनते हैं और उनमें रूखापन कम होता है।

कैसे करें इस्तेमाल : कच्चे चावलों को लगभग 30 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें। चावलों को छान लें और पानी को अलग रख लें। बालों में शैम्पू करें और नल के पानी से धो लें। इसके बाद, बालों और सिर की त्वचा को उस चावल के पानी से धोएँ जिसे आपने अलग रखा था। इसे 10–15 मिनट तक लगा रहने दें और आखिर में पानी से धो लें।

शाइनी और मजबूत हेयर के लिए इन बातों का भी रखें ख्याल :

तौलिए की जगह सूती का करें इस्तेमाल : अगर आप भी तौलिए का इस्तेमाल बालों को सुखाने के लिए कर रहे हैं तो इस आदत को बदल दें। तौलियों से ज़ोर से रगड़ने से बालों में घर्षण पैदा होता है, जिससे बाल टूट जाते हैं। इसलिए, तौलिए की जगह सूती कपड़े का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपने बालों को सुखा सकें।

बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अगर आप बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बालों के क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। लेकिन जब आप बाल धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को बंद कर देता है और बालों को रेशमी और सीधा रखने में मदद करता है।

हीट टूल्स का इस्तेमाल करने से बचें : अगर आप अपने बालों को ठीक करने के लिए ब्लो ड्रायर या इलेक्ट्रिक स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो असल में आप अपने बालों को कमज़ोर बना रहे हैं। इसीलिए आपको ड्रायर और इस तरह के अन्य उपकरणों का नियमित इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

चेहरे पर कैसे लगाएं दूध की मलाई, ग्लो करने लगेगा चेहरा

रूखी त्वचा भी बन जाएगी मुलायम

दूध को त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दूध की मलाई भी आपकी त्वचा की सेहत पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? दूध की मलाई में मौजूद तमाम औषधीय गुण स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको पोषक तत्वों से भरपूर दूध की मलाई को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे लगाएं मलाई– सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ी सी मलाई निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी पाउडर को भी निकाल लेना है। अब आपको इन दोनों केमिकल फ्री चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह एक हफ्ते में 1 से 2 बार अप्लाई कर सकते हैं।

अप्लाई करने का तरीका– इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लीजिए। लगभग 5 मिनट तक अपने चेहरे की मसाज जरूर करें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 20 मिनट तक इस फेस पैक को अपनी त्वचा पर लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। हालांकि, आपको दूध की मलाई को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए वरदान– त्वचा का निखार बढ़ाने के लिए और त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या आप दाग–धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। दूध की मलाई में एंटी एजिंग गुण भी मौजूद होते हैं यानी झुर्रियों को रोकने के लिए भी इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है। इस फेस पैक की मदद से रूखी त्वचा को मुलायम बनाया जा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

नाश्ते में झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी रागी चीला, वेट लॉस में है मददगार

सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा हेल्दी चीजें खानी चाहिए। सुबह की जल्दबाजी में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अक्सर लोग एक ही तरह का नाश्ता करके बोर हो जाते हैं। ऐसे में रागी का चीला स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हो सकता है। रागी का चीला खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है और इसे बनाना बेहद आसान भी है। रागी चीला ग्लूटन–फ्री और कम कैलोरी वाला नाश्ता है। ऐसे में जो लोग वेट लॉस करना चाहते हैं वो इसका सेवन कर सकते हैं।

सामग्री

रागी का आटा– 1 कप

बेसन या सूजी– 2–3 बड़े चम्मच (बाइंडिंग के लिए)

दही– द कप

प्याज –1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)

हरी मिर्च – 1–2 (बारीक कटी हुई)

अदरक–लहसुन पेस्ट – ड्ट छोटा चम्मच

ताजा धनिया – बारीक कटा हुआ

सब्जियां – कद्दूकस की हुई गाजर या बारीक कटी शिमला मिर्च (स्वादानुसार)

मसाले – नमक, हल्दी, जीरा पाउडर, और थोड़ी सी हींग

पानी – आवश्यकतानुसार (घोल बनाने के लिए)

तेल/घी – सेकने के लिए

बनाने की विधि

घोल तैयार करें

एक बड़े बाउल में रागी का आटा, बेसन/सूजी, नमक और सभी सूखे मसाले मिला लें। अब इसमें दही और थोड़ा–थोड़ा पानी डालकर एक मध्यम गाढ़ा घोल तैयार करें। ध्यान रहे कि गुठलियां न बनें।

सब्जियां मिलाएं

इस घोल में कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक–लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया और अपनी मनपसंद सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं। घोल को 10–15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

तवा गरम करें

एक नॉन–स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें।

चीला फैलाएं

आंच को धीमा करें और एक बड़ा चम्मच घोल तवे के बीच में डालें। इसे धीरे–धीरे गोल घुमाते हुए फैलाएं।

सेकें

चीले के किनारों पर थोड़ा सा तेल डालें। इसे मध्यम आंच पर 2–3 मिनट तक पकने दें जब तक कि ऊपर की सतह सूखी न दिखने लगे।

पलटें

अब चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

कच्चे आम की लौंजी बनाकर खाएं, खट्टा मीठा स्वाद चखते ही मजा आ जाएगा, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

कच्चे आम का सीजन आते ही लोग आम की चटनी, आम का अचार और आम की लौंजी बनाकर खाते हैं। अगर आपको भी कुछ खट्टा मीठा और स्वादिष्ट खाना है तो आम की लौंजी बनाकर खा सकते हैं। बिना प्याज, लहसुन और टमाटर के आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद इतना अच्छा होता है कि आप लौंजी से 1–2 रोटी ज्यादा खा जाएंगे। अगर आपने अभी तक आम की लौंजी ट्राई नहीं की तो ये रेसिपी एक बार जरूर बनाएं। खास बात ये है कि कच्चे आम की लौंजी कई दिनों तक खराब नहीं होती है। इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। फटाफट नोट कर लें कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी।

कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी

पहला स्टेप– कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए आपको 3–4 कच्चे आम लेने हैं। आम को अच्छी तरह से धो लें और उसे छील लें। अब आम को मोटे–मोटे टुकड़ों में काट लें। गुठलियां निकाल लें और उन्हें फेंके नहीं बल्कि सब्जी में ही डाल दें।

दूसरा स्टेप– लौंजी के लिए कड़ाही में सरसों का तेल डालें। आपको बहुत कम तेल इस्तेमाल करना है। अब तेल में हरी सौंफ डालें और हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अब इसमें कटे हुए कच्चे आम और उसकी गुठलियां डाल दें। सारी चीजों को मिक्स करके 1 गिलास पानी डाल दें।

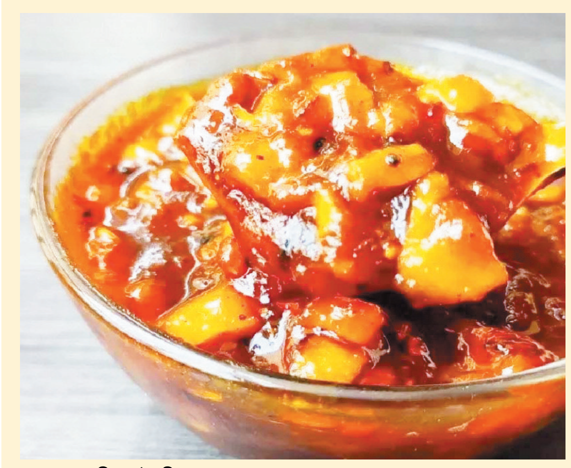

आम की लौंजी

तीसरा स्टेप– अब आम को अच्छी तरह से गलने तक पकाएं। जब आम पक जाए तो इसमें थोड़ा स्वाद बढ़ाने के लिए काला नमक और काली मिर्च का पाउडर डाल दें। अब मीठा करने के लिए इसमें गुड़, जैगरी पाउडर या फिर चीनी मिला दें। आप इसे अपने स्वाद के हिसाब से मीठा कम या ज्यादा रख सकते हैं। लौंजी में पानी कम हो तो थोड़ा और डाल लें।

चौथा स्टेप– आम की लौंजी को हल्का लुटपुटा बनाते हैं। बहुत ज्यादा पानी या बहुत गाढ़ा न करें। इस तरह स्वादिष्ट आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। आप इसे रोटी और चावल के साथ खाएं। आम की लौंजी को अच्छी तरह 8–10 दिन तक फ्रिज में रखकर खा सकते हैं।

बादाम के तेल में मिलाएं ये 1 चीज, तैयार हो जाएगी घर में बनी नेचुरल फेस क्रीम, लगाते ही मक्खन सी चिकनी होगी त्वचा

त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चेहरे पर मालिश करना जरूरी है। मसाज के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाती हैं। लेकिन आप घर में सिर्फ बादाम के तेल और एलोवेरा जेल से एकदम नेचुरल और होममेड क्रीम तैयार कर सकते है। आपको यकीन नहीं होगा कि तेल से इतनी आसानी से क्रीम बन जाएगी। आप इसे कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर लगाएंगे तो निखार साफ नजर आने लगेगा। बाबाद और एलोवेरा से बनी ये क्रीम झुर्रियों को दूर करने, झाईं और दाग मिटाने और एजिंग को कम करने में मदद करती है। इस क्रीम को बनाना बच्चों का खेल है। इतनी आसानी से और मिनटों में घर में बादाम के प्योर शुद्ध तेल से क्रीम बन जाएगी। जानिए बादाम तेल से क्रीम बनाने का तरीका क्या है?

बादाम तेल से क्रीम कैसे बनाएं

इसके लिए आपको बादाम का शुद्ध तेल लेना है। आप घर में बादाम का तेल निकाल सकते हैं। बाजार से त्वचा पर लगाने के लिए कोल्ड प्रेस बादाम का खरीद सकते हैं। बादाम के तेल को कटोरी में निकाल लें। 4 चम्मच तेल में करीब 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें 2 विटामिन ई के कैप्सूल डालें और सारी चीजों को चम्मच की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर चलाने के बाद ही तेल और जेल मिलकर क्रीम जैसी बन जाएगी। इसका रंग भी व्हाइट और क्रीमी होने लगेगा।

बादाम क्रीम को चेहरे पर कैसे लगाएं

इस क्रीम को एक एयरटाइट कांच की शीशी या किसी क्राम के ट्यूब में भर दें। आप इसे रोजाना रात में सोते वक्त पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। इसके बाद सो जाएं। सुबह पानी से चेहरे को धो लें। बादाम के तेल से बनी इस क्रीम का इस्तेमाल आप दिन में किसी भी वक्त कर सकते हैं। नहाने से पहले या नहाने के बाद इस क्रीम से फेस मसाज करना फायदेमंद साबित होगा। आप इसे लंबे समय तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं। बादाम के तेल में भरपूर विटामिन ई पाया जाता है जिससे एजिंग को कम किया जा सकता है। वहीं एलोवेरा त्वचा में नमी को लॉक करने का काम करता है।

संक्षिप्त समाचार

हॉलीवुड निर्माता व वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व कार्यकारी टोनी का निधन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। टेलीविजन निर्माता और वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व प्रोडक्शन वाइस प्रेसिडेंट टोनी अमतुलो का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार के अनुसार, एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया से जूझने के बाद 3 मई को न्यूयॉर्क में उन्होंने अंतिम सांस ली। 14 जुलाई 1949 को मैनहट्टन में जन्मे अमतुलो ने फेम और मियामी वाइस जैसे लोकप्रिय शो में बतौर सहयोगी निर्माता काम किया। उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्मों द गूनीज और द कलर पर्पल में मैनेजर की भूमिका निभाई।

कनाडा : दंपती की हत्या में 3 भारतवंशी दोषी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की एक अदालत ने एबॉट्सफोर्ड में एक बुजुर्ग दंपती की बर्बर हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन लोगों को फर्स्ट-डिग्री मर्डर का दोषी ठहराया है। ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर ने इस हत्याकांड में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अर्नाल्ड और जोआन डी जोंग मई 2022 में अपने घर में मृत पाए गए थे। अभियोजकों ने अदालत को बताया कि तीनों आरोपियों ने मिलकर लूटपाट और हत्या की साजिश रची थी। उन्होंने घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वॉशर चुराया था। ये तीनों आरोपी अभिजीत सिंह की सफाई कंपनी में काम करते थे, जिसने पहले इस दंपती के घर काम किया था। दंपती के शव अलग-अलग कमरों में मिले थे। अर्नाल्ड का चेहरा डक्ट टेप से लिपटा था, जबकि जोआन खून से लथपथ मिली थीं। दोनों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। अदालत में पेश साक्ष्यों में घटनास्थल से मिला डीएनए, हत्या में इस्तेमाल रस्सी और संदिग्धों की गाड़ी से बरामद मेटल का बेसबॉल बैट शामिल है। फोन डाटा से पता चला कि हत्या के बाद अभिजीत ने इंटरनेट पर सजा संबंधी कानून भी सर्च किए थे। दोषियों को सजा 28 मई को सुनाई जाएगी।

हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

मिसिसिपी , एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार की अंतिम परीक्षाएं स्थगित कर दीं ताकि छात्र अपना संभावित रूप से खोया हुआ कार्य दोबारा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान के छात्र ऑब्री पामर ने बताया कि वह और अन्य छात्र लगभग 2,900 शब्दों का परीक्षा निबंध पूरा कर चुके थे, तभी अचानक स्क्रीन पर फिरौती वाला संदेश दिखाई देने लगा।

ऑस्ट्रेलिया से कनाडा तक विश्वविद्यालय प्रभावित

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी ने छात्रों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कैनवस फिलहाल उपलब्ध नहीं है और छात्र लॉगिन करने की कोशिश न करें। विश्वविद्यालय ने स्वीकार किया कि सेमेस्टर के बेहद महत्वपूर्ण समय में यह व्यवधान छात्रों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर रहा है। विश्वविद्यालय ने बताया कि वह दुनिया भर के लगभग 9000 प्रभावित संस्थानों में शामिल है और इंस्ट्रक्चर से आगे की सलाह का इंतजार कर रहा है। अमेरिका में आइडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी ने दोपहर बाद होने वाली परीक्षाएं रद्द कर दीं, जबकि पेन स्टेट यूनिवर्सिटी ने छात्रों को संदेश भेजकर बताया कि फिलहाल किसी को भी कैनवस तक पहुंच नहीं मिल पा रही।

कांगो संकट में अमेरिका की भूमिका पर सवाल

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो के विद्रोहियों ने अमेरिका पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। विद्रोही गुट 'एम-23' ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर कहा कि अमेरिका शांति के लिए सही से मध्यस्थता नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि अमेरिका केवल उन पर पाबंदियां लगा रहा है, जबकि कांगो सरकार की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। कांगो का यह इलाका खनिज संपदा से भरपूर है और यहां दशकों से हिंसा चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले इस विवाद को सुलझाने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर अभी भी लड़ाई जारी है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोग प्रभावित हो चुके हैं।

पाकिस्तान के बन्नू में आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। हमलावरों ने पहले विस्फोटक से लदी गाड़ी से धमाका करने की कोशिश की और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई ने एक बड़े आत्मघाती हमले को टाल दिया, लेकिन धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं।

यूएई ने रातों-रात हजारों पाकिस्तानियों का बोरिया-बिस्तर बांधा; ना कारण बताया, ना मोहलत दी

अबू धाबी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान में जारी जंग के बीच खुद को मध्यस्थ यानी बिचौलिए के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिश उसी पर भारी पड़ गई है। पाकिस्तान के इस कदम से मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (९श्व) के साथ उसके कूटनीतिक संबंध बिगड़ गए हैं। यूएई से बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी कामगारों को डिपोर्ट (निर्वासित) किया जा रहा है।

यूएई क्यों है पाकिस्तान से खफा : खाड़ी में कई हफ्तों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने में पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई है। अब न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई इस बात से बेहद नाराज है कि पाकिस्तान ने अमीराती क्षेत्र को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा नहीं की। इसी नाराजगी के चलते यूएई की तरफ से पाकिस्तानियों पर यह सख्त कार्रवाई की जा रही है।

बिना कारण बताए हजारों पाकिस्तानियों को किया डिपोर्ट : न्यूयॉर्क टाइम्स ने कई पाकिस्तानी कामगारों और समुदाय के नेताओं से बातचीत के आधार पर बताया है कि हाल के हफ्तों में हजारों पाकिस्तानी शिया मुसलमानों को यूएई से निकाल दिया गया है। कई लोगों का दावा है कि उन्हें डिपोर्ट करने से पहले बिना कोई कारण बताए हिरासत में रखा गया था।

पाकिस्तानी शिया नेताओं का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। सामुदायिक संगठनों का अनुमान है कि मध्य-अप्रैल से लेकर अब तक हजारों परिवार इस निर्वासन से प्रभावित हो चुके हैं।

हालांकि, यूएई ने अभी तक इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी ऐसे किसी सामूहिक निर्वासन अभियान के दावों को खारिज किया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका : इस मुद्दे ने पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि यूएई से आने वाला पैसा पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी जीवन रेखा है। वर्तमान में 20 लाख से अधिक पाकिस्तानी यूएई में रहते और काम करते हैं। अकेले पिछले साल ही इन पाकिस्तानी कामगारों ने 8 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम अपने देश भेजी थी। पाकिस्तान की कूटनीति और डगमगाती अर्थव्यवस्था इस समय खाड़ी देशों के बदलते रुख के बीच फंसी हुई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान ने सऊदी अरब से अपनी नजदीकियां बढ़ाई हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई (९श्व) का रवैया उसके प्रति बेहद सख्त हो गया है। दशकों से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को कर्ज का 'रोल-ओवर' करके सहारा देने वाले यूएई ने अपना 3.5 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस ले लिया है। अप्रैल 2026 में पाकिस्तान को मजबूरन यह भारी-भरकम कर्ज यूएई को चुकाना पड़ा, जिसके लिए उसे सऊदी अरब से मिली नई आर्थिक मदद (डिपॉजिट) का सहारा लेना पड़ा। यूएई का यह कदम साफ दर्शाता है कि पाकिस्तान का सऊदी की तरफ अधिक झुकाव और ईरान विवाद में उसकी मध्यस्थता वाली भूमिका के चलते अबू धाबी का रुख अब 'मुफ्त मदद' से बदलकर 'सख्त वसूली' वाला हो गया है।

अमेरिका 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' की तैयारी में : यह निर्वासन का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत विफल होती है, तो वॉशिंगटन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू कर सकता है। यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए बनाई गई एक समुद्री सुरक्षा पहल है। खाड़ी में जारी अस्थिरता के बीच ट्रंप ने साफ किया है कि इस ऑपरेशन को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' के नाम से और भी व्यापक रूप में वापस लाया जा सकता है।

बिना आईडी नेपाल में नहीं मिलेगी एंट्री, बालेन सरकार ने भारतीयों पर लगा दिया नया नियम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की बालेन सरकार ने भारतीयों पर नया नियम लगा दिया है। दरअसल, भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं, नेपाल से भारत में प्रवेश करने वालों को भी परिचय पत्र दिखाना होगा। आधार या सरकार से जारी वैध पहचान पत्र मान्य हैं। इसे लेकर नेपाल प्रशासन शनिवार को एक्टिव हो गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शनिवार को जोगबनी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पहचान पत्रों की सघन जांच के कारण सीमा पर वाहनों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। कोलकाता से आने वाली ट्रेन के जोगबनी स्टेशन पहुंचते ही बड़ी संख्या में यात्री नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंच गए। नेपाल पुलिस के जवान पहचान पत्र जांचने के बाद ही लोगों को नेपाल में प्रवेश दे रहे थे। जिन लोगों के पास वैध पहचान पत्र नहीं था, उन्हें वापस लौटा दिया गया।

नेपाल के प्रमुख जिलाधिकारी युवराज कटेल ने स्पष्ट कहा कि सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। उधर, बहराइच से सटी नेपाल की करीब 17 किलोमीटर सीमा पट्टी में बड़ी संख्या में मधेशी समुदाय के लोग रहते हैं। नेपाली क्षेत्र के जमुनहा गांव में इस फैसले को लेकर तनाव का माहौल बताया जा रहा है। नेपाली

आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान आने-जाने वालों से पूछताछ और जांच के नाम पर सख्ती कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

चीनी घुसपैठ की आशंका लेकर पुलिस और एसएसबी अलर्ट ; उधर, नेपाल की सीमा से चीनी नागरिकों की घुसपैठ के मामलों के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों की पुलिस और एसएसबी को अलर्ट किया गया है। बिहार के बेतिया, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के अन्य जिलों की पुलिस को इलाके के सभी प्रमुख होटलों और लॉज की नियमित जांच कराने का निर्देश दिया गया है। तीन दिनों पहले अररिया के जोगबनी बॉर्डर से भारत में घुसे चीनी नागरिक को बिना वैद्य दस्तावेज के पकड़ा गया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि बीते चार मई को चीन के हुनान प्रांत का नागरिक झोउ हुआन नेपाली नंबर की स्कूटी से भारत में प्रवेश किया। बॉर्डर के पास में ही एसएसबी जवानों ने उसे रोक लिया। स्थानीय पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की थी।

अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों पर साइबर हमला, परीक्षाओं के बीच मांगी बिटकॉइन फिरौती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों और स्कूलों पर बड़े पैमाने पर हुए साइबर हमलों ने शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया है। हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले का निशाना बना कैनवस नाम का ऑनलाइन शैक्षणिक मंच, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर के हजारों विश्वविद्यालय और स्कूल पढ़ाई, असाइनमेंट और परीक्षाओं के संचालन के लिए करते हैं। हमले के कारण अंतिम परीक्षाओं और असाइनमेंट के महत्वपूर्ण दौर में व्यापक अव्यवस्था फैल गई। कई विश्वविद्यालयों को परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं, जबकि छात्रों और शिक्षकों को अपने डाटा और कार्य के सुरक्षित रहने को लेकर चिंता सताने लगी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार कैनवस की मालिक कंपनी इंस्ट्रक्चर ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर बताया कि अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, लेकिन शनिवार तक भी कई संस्थानों में भारी व्यवधान बना रहा। रिपोर्टों के अनुसार इस साइबर हमले से दुनिया भर के लगभग 9000 शैक्षणिक संस्थान प्रभावित हुए। कई उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर बिटकॉइन में फिरौती मांगने वाला संदेश दिखाई दिया, जिसमें दावा किया गया कि शाइनीहंटर्स ने इंस्ट्रक्चर के सिस्टम में सेंध लगा ली है और यदि भुगतान नहीं किया गया तो चोरी किया गया डेटा सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

मियामी में नाव में जोरदार धमाका, 11 लोग अस्पताल में भर्ती : मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी में हौलओवर सैंडबार के पास शनिवार दोपहर एक नाव में भीषण विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि नाव पर सवार कई लोग सीधे पानी में जा गिरे। मियामी-डेड फायर रेस्क्यू ने इस घटना को 'लेवल 2 मास कैजुअल्टी' घोषित करते हुए 25 से अधिक बचाव इकाइयों को मौके पर भेजा। इस हादसे में घायल हुए 11 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के अनुसार, यह विस्फोट नाव के इंजन में जमी पेट्रोल की गैस के कारण हो सकता है।

होर्मुज में गोलीबारी का शिकार हुआ भारतीय जहाज, गुजरात के नाविक की मौत; 5 घायल

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज में एक और भारतीय जहाज गोलीबारी का शिकार हुआ है। नाविकों के एक संगठन के प्रतिनिधि के अनुसार, बीते शुक्रवार को यह घटना हुई, जब होर्मुज स्ट्रेट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में फंस जाने से गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। शिपिंग निदेशालय के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यह लकड़ी से बना जहाज था, जिसकी पहचान अल फैज नूर-ए-सुलेमानी 1 नाम से हुई है। इस जहाज में 18 लोगों का क्रू सवार था। यह 7 मई को दुबई से निकला था और यमन के मुक्कम की ओर जा रहा था, तभी 8 मई को रात करीब एक बजे, होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय यह गोलीबारी की चपेट में आ गया। बता दें कि

ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से ही होर्मुज टकराव का केंद्र बना हुआ है। ईरान ने लंबे समय से बिना इजाजत किसी भी जहाज को निकलने देने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसकी वजह से कच्चे तेल के दामों में भी बढ़ोतरी हो रही है। अधिकारियों को लिखे एक लेटर में इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन (गुजरात) के महासचिव, आदम भाया ने इस घटना को अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक झड़प बताया। मृतक अल्ताफ तालाब केर उस जहाज पर इंजन ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। वे गुजरात के द्वारका जिले के सलाया गांव के रहने वाले थे। बाकी क्रू सदस्यों को सुबह करीब 7 बजे (स्थानीय समय) MSV प्रेम सागर-I (BDI-1491) द्वारा बचा लिया गया और वे उसी दिन शाम 6 बजे तक दुबई पोर्ट पहुंच गए। उनका इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक सूत्र ने बताया कि घटना के तुरंत बाद भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बचाए गए नागरिकों से मुलाकात की। 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकले इससे पहले गुरुवार को, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, जायसवाल से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया कि क्या ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी से बचने के लिए पाकिस्तानी समुद्री सीमा और फिर भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं, और क्या ऐसा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता है। जायसवाल ने कहा, 'उन रिपोर्टों के संबंध में कि ईरानी जहाज नाकेबंदी से बचने के लिए भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं। यदि अन्य देशों के जहाज अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में चलना चाहते हैं, तो किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

ईरान के परमाणु हथियार बनाने का कोई सबूत नहीं: व्लादिमीर पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को 'बहुत कठिन संघर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा रूसः पुतिन पुतिन ने विक्ट्री डे परेड के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, रूस के ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है। इस संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ईरान और अमेरिका के बीच यह बहुत कठिन संघर्ष है। इससे हमारी स्थिति भी कठिन हो जाती है, क्योंकि हमारे ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। हम दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा। मेरा मानना है कि कोई भी इसे जारी रखना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा? ईरान के परमाणु कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने के आरोपों पर पुतिन ने कहा कि रूस ने 2015 में भी इस मामले में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ईरान में बुशेहर परमाणु संयंत्र जैसी परियोजना केवल शांतिपूर्ण ऊर्जा उद्देश्यों के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने 2015 में भी ऐसा किया था। उस समय ईरान ने हम पर भरोसा किया था और उसके पीछे ठोस कारण थे। हम आज भी ईरान में परमाणु कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। हमने बुशेहर संयंत्र का निर्माण पूरा किया। मौजूदा स्थिति से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर हमारा काम प्रभावित नहीं है। 2015 में यह सभी देशों और ईरान के बीच समझौते की नींव बना था और इसका बहुत सकारात्मक असर हुआ था। हम फिर से वही करने के लिए तैयार हैं। 'ईरान के परमाणु हथियार विकसित करने के सबूत नहीं' पुतिन ने कहा कि रूस को कभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा, अगर सभी पक्ष सहमत हों, तो ईरान भरोसा कर सकता है कि वह अपनी परमाणु सामग्री एक मित्र देश को भेज सकता है, जो शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग करता रहेगा। हमने कभी नहीं कहा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। मेरी राय में दूसरे देशों की भी इसमें रुचि हो सकती है। उन्होंने ईरान के यूरेनियम कार्यक्रम को लेकर पहले दिए गए प्रस्तावों का भी जिक्र किया। पुतिन ने कहा कि रूस ने सुझाव दिया था कि अंतरराष्ट्रीय निगरानी में संयुक्त परियोजनाओं के जरिये यूरेनियम का प्रसंस्करण किया जाए। यह पूरा काम संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए की निगरानी में हो सकता है।

मिस्र और कतर ने अमेरिका और ईरान से 'जिम्मेदारी और समझदारी' दिखाने की अपील की

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान जसीम अल-थानी ने अमेरिका और ईरान से इस संवेदनशील समय में 'जिम्मेदारी' और 'समझदारी' से काम लेने की अपील की है। शनिवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया को समर्थन देने पर भी जोर दिया। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की। उनका कहना था कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता देना जरूरी है, ताकि क्षेत्र के लोगों के संसाधनों और हितों की रक्षा हो सके।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ। बाद में पाकिस्तान में लंबी शांति वार्ता भी हुई, लेकिन उससे कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका।

कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास फिर तनाव बढ़ गया। अमेरिका ने ईरानी

जहाजों और तटीय इलाकों पर हमले किए, जबकि ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमला किया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी सेना ने बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभियान चलाया।

इसमें बैलिस्टिक मिसाइल, जहाज रोधी क्रूज मिसाइल और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने दावा किया कि इन हमलों का निशाना अमेरिकी युद्धपोत थे। ईरान ने यह भी कहा कि खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद तीन अमेरिकी युद्धपोतों को होर्मुज क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 'बिना उकसावे वाले हमलों' को रोक दिया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। सेंटकॉम के मुताबिक, अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सेना की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तीनों अमेरिकी युद्धपोतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पीटर मगयार ने हंगरी के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, जो ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है

बुडापेस्ट, हंगरी , एजेंसी। हंगरी के नए प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार शनिवार को संसद भवन पहुंचे और उन्होंने पद की शपथ ली, जिससे विक्टर ओर्बन के 16 साल के निरंकुश शासन का अंत हो गया। पिछले महीने, मैग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी टिस्ज़ा पार्टी ने एक आश्चर्यजनक उलटफेर में ओर्बन की राष्ट्रवादी-लोकप्रिय फ़िडेज़ पार्टी को हरा दिया, और हंगरी के साम्यवाद-पश्चात इतिहास में किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में अधिक वोट और संसद में सीटें हासिल कीं। इस जीत से टिस्ज़ा को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला है, जिससे वह उन कई नीतियों को पलट सकती है जिनके कारण ओर्बन को उनके कई आलोचकों के बीच एक धुर दक्षिणपंथी तानाशाह के रूप में ख्याति मिली थी, कथित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकती है और यूरोपीय संघ के भीतर राजनीतिक गतिशीलता को बदल सकती है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण निर्णयों को बार-बार वीटो करके ब्लॉक को उलट-पुलट कर दिया था। शनिवार को, मैग्यार अपने दल के 140 प्रतिनिधियों के साथ विशाल नव-गॉथिक शैली के संसद भवन में दाखिल हुए। हंगरी की 199 सीटों वाली संसद में अब उनके पास 141 सीटें हैं। ओर्बन के फिडेज़-केडीएनपी गठबंधन के पास अब 135 सीटों के मुकाबले 52 सीटें रह जाएंगी, जबकि धुर दक्षिणपंथी मी हाज़ांक (हमारी मातृभूमि) पार्टी के पास छह सीटें होंगी। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे 199 प्रतिनिधियों ने पद की शपथ ली। 1990 में हंगरी की पहली कम्युनिस्ट-बाद की संसद के गठन के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है कि ऑर्बन उनमें शामिल नहीं थे। नई राष्ट्रीय सभा में 54 महिला सांसद हैं, जिनमें से अधिकांश टिस्ज़ा पार्टी से हैं - जो कुल संख्या का एक चौथाई से अधिक है और हंगरी के इतिहास में सबसे अधिक है। मैग्यार, एक 45 वर्षीय

वकील, जिन्होंने ओर्बन की पार्टी में कई वर्षों तक अंदरूनी सूत्र के रूप में काम करने के बाद 2024 में टिस्ज़ा की स्थापना की, ने आधिकारिक भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प लिया है, जिसके बारे में उनका तर्क है कि इसने हंगरीवासियों को आर्थिक अवसरों से वंचित कर दिया है। नए प्रधानमंत्री ने हंगरीवासियों से संसद के बाहर पूरे दिन चलने वाले 'सत्ता परिवर्तन' समारोह में शामिल होने का आह्वान किया है, जो उनके शपथ ग्रहण और ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है। नए प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ही कई हजार लोग पहले से ही एकत्रित हो चुके थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे शपथ लेने के बाद, मैग्यार बाहर मौजूद भीड़ को संबोधित करेंगे। मैग्यार ने यूरोपीय संघ के साथ अपने देश के संबंधों को सुधारने का वादा किया है, जिसे ओर्बन ने टूटने की कगार पर पहुंचा दिया था, और पश्चिमी लोकतंत्रों के बीच हंगरी के स्थान को बहाल करने का भी वादा किया है, जिसकी प्रतिष्ठा पर तब सवाल उठने लगे थे जब ओर्बन रूस के और करीब आते जा रहे थे। हंगरी के लिए यूरोपीय संघ के लगभग 17 अरब यूरो (20 अरब डॉलर) के फंड को जारी करना, जिसे ओर्बन के कार्यकाल के दौरान कानून के शासन और भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं के कारण रोक दिया गया था, नए प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हंगरी की संघर्षरत अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए इस धन की सख्त जरूरत है, जो पिछले चार वर्षों से स्थिर है। इस प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, टिस्ज़ा के अधिकारियों का कहना है कि वे संसद भवन के अग्रभाग पर एक बार फिर यूरोपीय संघ का ध्वज फहराएंगे, जिसे ओर्बन की सरकार ने 2014 में हटा दिया था। बुडापेस्ट के उदारवादी मेयर, गेर्गेली कराक्सोनी ने ऑर्बन के पतन और नई सरकार के गठन का जश्न मनाने के लिए शनिवार को बाद में डेन्यूब नदी के किनारे एक पार्टी का खुला निमंत्रण पोस्ट किया। कराक्सोनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि पार्टी उन हंगेरियन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती है जिन्होंने वर्षों से ओर्बन की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई है: 'शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, नागरिकों और पत्रकारों को अपमानित किया गया।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर महाराष्ट्र में लगाएगी नया संयंत्र, 2029 से उत्पादन

जापानी मीडिया के अनुसार करीब 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस संयंत्र से 2029 की पहली छमाही में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। जापानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मूल कंपनी टोयोटा मोटर भारत में क्षमता विस्तार के लिए लगभग 300 अरब येन (लगभग 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर) का भारी निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि यह नया संयंत्र महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख वाहनों की होगी और इससे लगभग 2,800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अनुसार इस संयंत्र में एक नया एसयूवी मॉडल तैयार किया जाएगा, जिसमें स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसी प्रमुख प्रक्रियाएं शामिल होंगी। वर्तमान में, टीकेएम के कर्नाटक में दो संयंत्र हैं जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 5.52 लाख इकाई है। यह नया प्लांट कंपनी की भारतीय बाजार में अपनी कारोबारी बुनियाद को और मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7 फीसदी रहने का अनुमान बीएमआई

चालू वित्त वर्ष में वैश्विक अस्थिरता और अल नीनो से जोखिम

नई दिल्ली ।

फिच समूह की इकाई बीएमआई ने ईरान युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के कमजोर पड़ने के चलते चालू वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को घटाकर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में 7.7 प्रतिशत थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों से इस पर नकारात्मक असर पड़ा है। बीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार ईरान-अमेरिका संघर्ष के बढ़ने की आशंका भारत के वृद्धि अनुमानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। ऐसे में भारत को रक्षा खर्च, ईंधन कीमतों और राजकोषीय स्थिति के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती होगा। हालांकि, 2025 में किए गए कर सुधार लागत-आधारित महंगाई के असर को कुछ हद तक कम करने में सहायक हो सकते हैं। संस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। बीएमआई का कहना है कि पिछले वर्षों के कर सुधारों का प्रभाव नए वित्त वर्ष में बढ़ती लागत से घटता जाएगा। ऊर्जा एवं खाद्य आपूर्ति में संभावित बाधाएं और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अनुमानित 'अल नीनो' के कारण सामान्य से कम मानसून भी खपत वृद्धि को धीमा कर महंगाई बढ़ाएगा। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 0.4 से 0.7 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था एशिया में ऊर्जा कीमतों के प्रति सबसे संवेदनशील मानी जाती है, जिससे बाहरी झटकों का उस पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

पश्चिमी एशिया में तनाव से महंगे हो सकते हैं पेट्रोल और डीजल

सरकारी तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो सकता है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेल रही हैं, जिससे सरकार पर अब कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ गया है। पहले कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करने वाली सरकार अब यह मान रही है कि अब तक की कोशिश कीमतों को स्थिर रखने की रही है, जो संभावित वृद्धि का संकेत है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के खतरे और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, लेकिन भारतीय खुदरा बाजार में ईंधन के दाम लंबे समय से अपरिवर्तित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत और तेल कंपनियों के मुनाफे पर भारी पड़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1312 , निफ्टी 360 अंक फिसला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंक नीचे आकर 76,015.28 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 फीसदी की गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो आज सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी उपभोक्ता उत्पादों में 3.73 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 3.05 फीसदी रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी 2 फीसदी नीचे आये जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर भी गिरे। निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा टाटा कंज्यूमर के शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर

टाइटन, इंडिगो, एसबीआई, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 467 लाख करोड़ रुपए ही रहा जबकि पिछले सत्र में ये 473 लाख करोड़ रुपए था।

रुपया 139 पैसे टूटकर 94.90 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले कारोबारी दिन 93.51 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 139 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। फिर मामूली बढ़त के साथ 94.90 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 139 पैसे की भारी गिरावट है। रुपया शुक्रवार को 71 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

सीनियर सिटिजन कोटे और बुकिंग के खास विकल्पों से पाएं ट्रेन में निचली बर्थ

बुजुर्गों और 45 वर्ष से अ धिक की महिलाओं के लिए विशेष कोटा

नई दिल्ली ।

ट्रेन में आरामदायक सफर के लिए लोअर बर्थ की चाहत हर यात्री को होती है, खासकर बुजुर्गों को, जिन्हें ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में खासी परेशानी होती है। भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) ने अब ऐसे यात्रियों के लिए लोअर बर्थ सुनिश्चित करने के खास तरीके बताए हैं, जिससे उनकी यात्रा सुगम बन सके। रेलवे के नियमों के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए लोअर बर्थ का एक संयुक्त कोटा निर्धारित है। यह कोटा स्लीपर से लेकर एसी क्लास तक उपलब्ध होता है, जिससे इन यात्रियों को प्राथमिकता मिलती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए टिकट बुकिंग करते समय बुजुर्ग नागरिक विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। आइआरसीटीसी के अनुसार एक पीएनआर पर केवल 1 या 2 बुजुर्ग यात्रियों के लिए ही लोअर बर्थ मिलने की संभावना अधिक होती है। लोअर बर्थ की गारंटी हेतु रिजर्वेशन चाइस में बुक ऑनली लोउर बर्थ इज एलाउउ विकल्प चुनें। यह विकल्प सुनिश्चित करेगा कि यदि लोअर बर्थ उपलब्ध नहीं है, तो आपका टिकट बुक नहीं होगा। ध्यान रहे कि सामान्य कोटे में लोअर बर्थ का आवंटन पूरी तरह उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि बुकिंग के दौरान लोअर बर्थ नहीं मिल पाती है, तो यात्रा के दौरान आप ड्यूटी पर मौजूद कोच टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें ज़रूरतमंद यात्रियों की सहायता करने का अधिकार है और वे सीटों की उपलब्धता के आधार पर मदद कर सकते हैं।

तेल कीमतों में उछाल, कच्चा तेल 104 डॉलर के पार

हॉर्मुज में आपूर्ति बाधित, ट्रंप की चीन यात्रा पर नजर, 10 हफ्तों से जारी संघर्ष गहराया

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत विफल होने के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 104.47 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। दुनिया के महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्ग, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जारी तनाव के कारण तेल आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान की ओर से दिए गए जवाब को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे पिछले 10 हफ्तों से जारी संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीदें कम हो गईं। अब बाजार की नजर इस हफ्ते होने वाली ट्रंप की चीन यात्रा पर टिकी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से ईरान मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं, इस उम्मीद के साथ कि चीन, ईरान पर दबाव डालकर युद्धविराम की दिशा में मदद कर सकता है। इस बीच सऊदी अरामको के मुख्य कार्याधिकारी अमीन नासिर ने चिंता व्यक्त की है कि पिछले दो महीनों में दुनिया को लगभग 1 अरब बैरल तेल की कमी झेलनी पड़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेल की आपूर्ति फिर से शुरू भी हो जाए,

तब भी बाजार को सामान्य होने में समय लगेगा। हालिया शिपिंग डेटा से पता चला है कि पिछले हफ्ते दो तेल टैंकर बिना ट्रैकिंग सिस्टम चालू किए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकले, जिसे ईरानी हमलों से बचने की कोशिश माना जा रहा है। इस घटना ने पश्चिम एशिया से तेल निर्यात को लेकर वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

डाक विभाग का 4,000 करोड़ रुपए राजस्व वृद्धि का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

पेम्मासानी ने बताया, नवाचार, जवाबदेही और सेवा विस्तार के दम पर दोगुनी होगी अतिरिक्त आय

नई दिल्ली।

संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने घोषणा की है कि डाक विभाग का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में अपनी अतिरिक्त राजस्व वृद्धि को दोगुना कर 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह उपलब्धि नवाचार, जवाबदेही और विभिन्न खंडों में तय लक्ष्यों की प्राप्ति के माध्यम से हासिल की जाएगी। मंत्री पेम्मासानी ने बताया कि डाक विभाग ने बीते वित्त वर्ष में 2,100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो पिछले चार दशकों में सर्वाधिक है। इस अवधि में विभाग का कुल राजस्व 13,218 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,296 करोड़ रुपये हो गया। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में डाकघरों को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में बदलना है। इस सफलता के लिए विभाग ने विभिन्न चुनौतियों का गहन अध्ययन किया, बाजार हिस्सेदारी की पहचान की, परिचालन बाधाओं को दूर किया और जवाबदेही सुनिश्चित की। मंत्री ने नियमित मासिक समीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शन में कमी पर पहले 15 अधिकारियों को पत्र भेजे गए थे, लेकिन अब प्रभावी निगरानी और प्रोत्साहन के कारण यह संख्या घटकर एक रह गई है। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए 24 और 48 घंटे में स्पीड पोस्ट वितरण, उन्नत ट्रैकिंग प्रणाली और ओटीपी आधारित अलर्ट जैसी नवाचारी सेवाएं शुरू की गई हैं।

निजी क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर, 214 डाकघरों में

चौबीसों घंटे और लगभग 4,000 डाकघरों में विस्तारित कार्य घंटे की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने जोर दिया कि आईटी के उपयोग और लक्ष्य-आधारित प्रणाली से ग्राहक संतुष्टि में सुधार आया है।

रेलवे की रफ्तार- रिकॉर्ड बजट व्यय, हवाई यात्रा को मिलेगी कड़ी टक्कर

मंत्री वैष्णव बोले- कई मार्गों पर ट्रेनें विमान सेवाओं से आगे निकलेंगी, यात्रा समय में भारी कमी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारतीय रेलवे की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अपने निर्धारित बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया है, जो परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। वैष्णव ने दावा किया कि आगामी समय में देश के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रेन सेवाएं हवाई यात्रा को पीछे छोड़ देंगी। मंत्री ने बताया कि 49,000 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 36,000 किलोमीटर नई पटरियों के जुड़ने से यात्रा समय में अभूतपूर्व कमी आएगी। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर विद्युतीकरण जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से अधिक है, जबकि 36,000 किलोमीटर नई पटरियां स्विट्जरलैंड के नेटवर्क का लगभग छह गुना हैं। उदाहरण के लिए, मुंबई-पुणे (28 मिनट), पुणे-हैदराबाद (1 घंटा 55 मिनट), हैदराबाद-बेंगलुरु (लगभग 2 घंटे), बेंगलुरु-चेन्नई (78 मिनट), दिल्ली-वाराणसी (3 घंटे 50 मिनट) और दिल्ली-लखनऊ (लगभग 2 घंटे) में पूरी होगी। वैष्णव ने विमानन कंपनियों को आगाह करते हुए कहा कि इन मार्गों पर 99 प्रतिशत यातायात रेलवे से होगा और निवेशकों को इस सच्चाई को अभी से समझ लेना चाहिए।

ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स 750 करोड़ के आईपीओ की तैयारी में

सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली ।

ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधान प्रदान करने वाली कंपनी ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 750 करोड़ रुपये जुटाना है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार इस निर्गम में नए शेयरों के माध्यम से 750 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रमोटर और मौजूदा शेयरधारक 57.10 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी करेंगे। बेंगलुरु स्थित यह कंपनी आईपीओ से पहले 150 करोड़ रुपये तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी कर सकती है, जिससे नए शेयर निर्गम का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि नए निर्गम से प्राप्त 750 करोड़ रुपये में से 160 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए किया जाएगा। वहीं, 330 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग संभावित अधिग्रहणों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए आरक्षित की जाएगी। ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधानों में विशेषज्ञता रखती है और बेंगलुरु में इसके तीन

विनिर्माण संयंत्र हैं। कंपनी ने भारत सहित सिंगापुर, मलेशिया, ताइवान, यूएई, अमेरिका और फ्रांस जैसे कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एवीएसआई परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं।

एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को ठगों से रहें सावधान रहने की दी सलाह

फर्जी ओटीपी मैसेज से बचें, जानें असली संदेश की पहचान और शहर अनुसार कीमतें

नई दिल्ली ।

एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम के जरिए हो रही है, जिससे सुरक्षा बढ़ी है पर साइबर ठग इसी का फायदा उठाकर फर्जी मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं। एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह सिस्टम सुनिश्चित करता है कि सिलेंडर सही ग्राहक तक पहुंचे, जिससे गलत डिलीवरी और गड़बड़ी की संभावना कम हुई है। हालांकि, इसी सिस्टम का फायदा उठाकर साइबर ठग फर्जी मैसेज भेज रहे हैं। एचपीसीएल और भारत गैस ने चेताया है कि असली मैसेज केवल वीएम-एचपीगैस-एस जैसे आधिकारिक सेंडर आईडी से 4 अंकों के ओटीपी के साथ आते हैं, जिसे सिर्फ सिलेंडर डिलीवरी के समय साझा करें। कोई भी कर्मचारी फोन वाटसएप या लिंक से ओटीपी नहीं मांगेगा। इंडेन ने भी ग्राहकों को पहले बुकिंग जांचने की सलाह दी है और कहा है कि सही मैसेज (वीके-इंडेन या वीएम-इंडेन) से 6 अंकों का डीएसी कोड) डिलीवरी बॉय के घर पहुंचने पर ही शेयर करें।

वहीं एक तरफ सुरक्षा बढ़ रही है, दूसरी ओर एलपीजी सिलेंडर की कीमतें शहर-शहर अलग-अलग हैं। बेंगलुरु में घरेलू सिलेंडर 915.50 रुपये, हैदराबाद में 965 रुपये और इंदौर में 941 रुपये में उपलब्ध है। पटना में यह 1002.50 रुपये तक पहुंच गया है। ये दरें डिस्ट्रीब्यूशन और स्थानीय लागत के आधार पर निर्भर करती हैं।

फ्लिपकार्ट का एआई बूस्टर, छोटे शहरों के कारोबा रियों को बना रहा बड़ा सेलर

ई-कॉमर्स दिग्गज 1.4 मिलियन विक्रेताओं को सशक्त बनाकर अपनी बाजार स्थिति कर रहा है मजबूत

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट छोटे शहरों के विक्रेताओं को देशभर में अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का उपयोग कर रही है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाला यह प्लेटफॉर्म अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने और आगामी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले अपने 14 लाख विक्रेताओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। फ्लिपकार्ट ने एआई-संचालित ऐसे डैशबोर्ड विकसित किए हैं, जो हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल जानकारी प्रदान करते हैं।

यह उपकरण विक्रेताओं को मांग का पूर्वानुमान, मूल्य निर्धारण संबंधी सलाह और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं, जो पहले उनके लिए अनुपलब्ध थे। वॉयस-एनेबल्ड प्रणाली के माध्यम से, विक्रेता अब यह पूछ सकते हैं कि क्या बनाना है, कब स्टॉक करना है और उत्पादों का सही मूल्य कैसे निर्धारित करना है। फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस और किराना प्रमुख के अनुसार, इस मार्गदर्शन ने कई व्यवसायों को हफ्तों के भीतर ही

उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करने में सहायता की है। यह पहल भारतीय ई-कॉमर्स में एक बड़े संरचनात्मक बदलाव को दर्शाती है।

गूगल और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार यह उद्योग 2030 तक मौजूदा 90 अरब डॉलर से बढ़कर 250 अरब डॉलर का अनुमानित बाजार बन जाएगा। इस वृद्धि का मुख्य चालक महानगर नहीं, बल्कि मझोले और छोटे शहर हैं, जहां पहली बार के उद्यमी और कारीगर देशव्यापी पहुंच के साथ डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड बना रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि एआई इस विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि यह खरीदारों की मांग को अत्यधिक व्यक्तिगत बनाता है, संचालन को सुव्यवस्थित करता है और लाभ में 30 से 35 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारतीय एमएंडए बाजार मजबूत

आउटबाउंड अधिग्रहण में रिकॉर्ड उछाल, फार्मा, टेक और वित्तीय सेवा क्षेत्र बने मुख्य आकर्षण

नई दिन्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता और असामान्य उथल-पुथल के बावजूद, भारत का विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) बाजार अपनी पकड़ बनाए हुए है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार देश में सौदों की गतिविधियां सालाना 200 अरब डॉलर की रफ्तार से जारी रहने की उम्मीद है। यह सौदे देश और विदेश में समान रूप से बंटे होंगे, जो भारतीय बाजार में निरंतर विश्वास को दर्शाता है। सिंघी ने वैश्विक एमएंडए परिदृश्य को दो हिस्सों की कहानी बताया, जहां अमेरिका और यूरोप में बड़े सौदे और घरेलू एकीकरण हावी हैं, वहीं भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा परिवर्तन और बुनियादी ढांचा प्रमुख चालक हैं। सबसे उल्लेखनीय बदलावों में से एक विदेश में भारतीय कंपनियों के अधिग्रहण में तेजी है। हाल में घोषित सन फार्मा का विदेशी अधिग्रहण इस नई रुचि का प्रमुख संकेत है, जिसे अब तक के सबसे बड़े भारतीय अधिग्रहणों में से एक माना जा रहा है। इस प्रवृत्ति को तीन प्रमुख कारकों से बढ़ावा मिल रहा है- विनिर्माण में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, और भारतीय कंपनियों का घरेलू विकास में नरमी के बावजूद विदेशों में अपनी ऐतिहासिक विस्तार गति बनाए रखने की क्षमता, क्योंकि उनके पास मजबूत बैलेंस शीट है। दवा, स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विदेशी सौदों में रुचि वाले मुख्य क्षेत्र हैं। देश के भीतर, वित्तीय सेवाएं लगातार विदेशी रणनीतिक रुचि आकर्षित कर रही हैं। पश्चिम एशियाई निवेशक भारत में सक्रिय हैं, और एमिरेट्स एनबीडी-आरबीएल बैंक सौदा एक रणनीतिक कदम का उदाहरण है, जो जीडीपी वृद्धि हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंस जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरात ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर- हर्ष दुबे

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

–अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम (एजेंसी)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे।

जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा

इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है। टिएन साल 2002 में एंडी रोडिक के बाद रोम के चौथे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमेरिकी खिलाड़ी हैं। एक अन्य मुकाबले में विश्व के पूर्व नंबर 2 कैस्पर रूड ने भी चेक गणराज्य के 11वें वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को ठीक 80 मिनट में 6-3, 6-4 से आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। ये दोनो ही टीमों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और अंतिम पायदान पर होने के कारण ये प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायीं। लखनऊ को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जबकि मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इससे दोनो का ही अभियान समाप्त हो गया।

मुंबई को अंतिम गेंद पर आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई इंडियंस के लिए यह सीज़न अच्छा नहीं रहा था। टीम की कप्तानी में बदलाव, लगातार हार और सही संयोजन न मिल पाने के कारण उसके प्लेऑफ की रहा बंद हो गयी। टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या भी कई मैचों में खेल नहीं पाये। रोहित शर्मा की भी फिटनेस ठीक नहीं रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। इस प्रकार 11 मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी इसी प्रकार रहा है। सीएसके से मिली हार के बाद वह भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। 11 मैच खेलने के बाद लखनऊ की टीम ने केवल 3 मैच ही जीते। इससे उसे 6 अंक ही मिल पाये। उसका नेट रन रेट भी काफी कम रहा। अंक तालिका में ये दोनो अपने बचे हुए मैच जीतने के बाद भी केवल 12 अंक तक ही पहुंच पाते। अभी शीर्ष चार टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के 14-14 अंक हैं, जबकि पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन (एजेंसी)। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं।

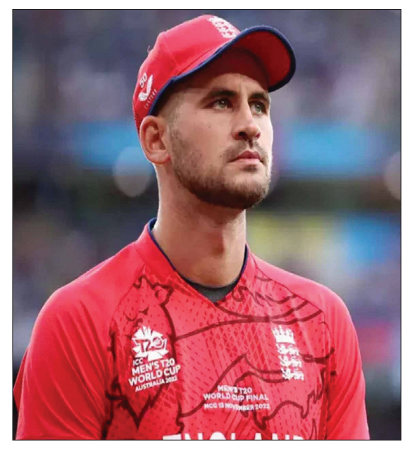

वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये।

इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

–निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेगी।

बीसीसीआई ने अंपायर से बहस के लिए फ्लावर पर जुर्माना लगाया

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए जुर्माना लगाया है। बीसीसीआई के अनुसार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।उन पर मैच के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं।फ्लावर ने इसे स्वीकार कर लिया है जिस कारण उनपर आगे कार्रवाई नहीं होगी। इस मैच में आरसीबी लक्ष्य का पीछा कर रही थी। तभी 18वें ओवर के दौरान नमन धीर ने कुनाल पंड्या का का कैच पकड़ने का प्रयास किया ।इसके बाद अंपायर ने कुनाल को आउट करार दिया हालांकि इस पर संशय था जिससे फ्लावर भड़क गए और चौथे अंपायर से बहस करने लगे।इसी दौरान उन्होंने अंपायर को अपशब्द कह दिये। इसी कारण उन्हें आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। इसी को लेकर मैच रेफरी अमित शर्मा ने फ्लावर पर जुर्माना ठोक दिया। आईपीएल में किसी मैच अधिकारी पर उठे विवाद का ये पहला मामला नहीं है।इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर पर भी डगआउट में मोबाइल पर बात करने के कारण विवाद उठा था।इसके बाद उन पर भी भारी भरकम जुर्माना लगा था।

वैभव को बटलर ने उपहार में दिया बल्ला

जयपुर ।आईपीएल के इस सत्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन कर 400 से अधिक रन बनाये हैं।इस दौरान वैभव ने कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं।वैभव की इस सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी देखकर सभी हैरान हैं। जिस प्रकार से वह निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसकी सभी ने प्रशंसा की है। वैभव के इस प्रदर्शन पर गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ने उन्हें उपहार में एक बल्लास दिया है।बल्ला देते हुए बटलर ने कहा कि इसपर ऑटोग्राफ नहीं दूंगा बल्कि इससे तुम्हें खेलना है। इस नजारे को देख क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गयी।बटलर ने स्वयं वैभव से मुलाकात की।इस वीडियो में वैभव की मासूमियत और खेल के प्रति उनका जुनून नजर आया।वीडियो में वैभव कहते सुनाई देते हैं, 'बल्ला ले लेता हूं जाकर।' इसके बाद दोनों खिलाड़ी डगआउट की ओर बढ़ते हैं। बटलर ने तभी वैभव को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। जब वैभव से कहा गया कि इस बल्ले पर बटलर के ऑटोग्राफ ले लो, तो वैभव ने कहा कि इसे उन्हें खेलने के लिए दिया गया है।वैभव ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 16 गेंदों पर ही 36 रनों की आक्रामक पारी खेली थी पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये हालांकि इस दौरान उन्होंने रिकार्ड जरुर बना लिया।वैभव ने पारी का पहला छक्का लगाते ही टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका 236.56 का स्ट्राइक रेट है। जहां अन्य बल्लेबाज 150–160 का स्ट्राइक रेट के रन बना रहे हैं।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। है।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2–0 से हराकर 29 वीं बार जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड ।बार्सिलोना ने यहां हुए एक मुकाबे में रियल मैड्रिड को 2–0 से हराकर 29 वीं बार स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल खिताब जीता है।इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने एक बार फिर अपने को साबित किया है।एक बार फिर फुटबॉल जगत में अपनी श्रेष्ठता साबित की।वहीं रियल मैड्रिड को इस खिताबी मुकाबले में अपने तीन प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली। उसके स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग फेडेरिको वाल्वरडे और डीन हुइजसेन चोटिल होने के कारण इस मैच में शामिल नहीं हुए।इससे टीम के खेल पर काफी प्रभाव पड़ा उसकी आक्रामकता और मध्यपंक्ति कमजोर हुई।बार्सिलोना ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए शुरुआती मिनटों में ही दबाव बनाना शुरू कर दिया।मैच के नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने पहला गोल दागकर बार्सिलोना को 1–0 की बढ़त दिला दी। इसके कुछ ही देर बाद, 18वें मिनट में टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर खेल कर बार्सिलोना की बढ़त को 2–0 कर दिया।वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने वापसी का अच्छा प्रयास किया पर बार्सिलोना की रक्षापंक्ति ने इस प्रयास को विफल कर दिया।इसके बाद देनो ही टीमों ने गोल करने के प्रयास किये पर असफल रहे।मुकाबले के दौरान, रियल मैड्रिड ने वापसी करने के कई प्रयास किए, लेकिन बार्सिलोना के रक्षापंक्ति ने उसे अवसर नहीं दिया।जीत के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ी जश्न में डूबे दिखे।

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर लगाया आरोप

गोंडा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें, लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी। WFI ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था, जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के लिए पात्र हैं, जबकि महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक अयोग्य घोषित कर दिया है। WFI ने उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। WFI अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, 'आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज भूषण, उनकी टीम–वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।'

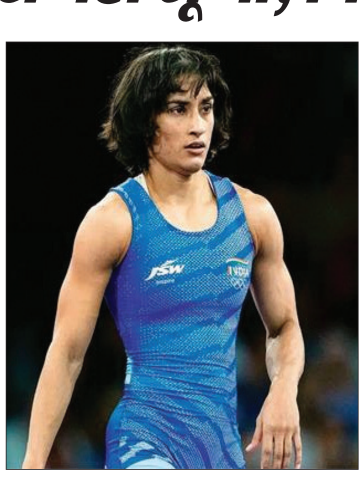

विनेश ने कहा कि उन्होंने WFI के कारण बताओ नोटिस पर संक्षिप्त जवाब भेज दिया है और 14 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब देंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (संजय सिंह) कहा कि 14 दिनों में विस्तृत जवाब दे दूंगी, लेकिन उससे पहले ही मुझे दोषी कैसे माना जा सकता है? कम से कम 14 दिनों तक तो मुझे मत रोकिए। उसके बाद जो कार्रवाई करनी हो, कर लीजिए। लेकिन वह विस्तृत जवाब पर ही अड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने 12 दिसंबर को पत्र भेजकर बताया था कि मैं खेल में वापसी करना चाहती हूं और प्रशिक्षण शुरू कर चुकी हूं। फिर छह महीने तक इंतजार क्यों किया गया? मैं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची और तब मुझ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह बात पहले भी बताई जा सकती थी। ऐसा लगता है कि मुझे प्रतिबंधित करने का पहले से ही फैसला कर लिया गया था। यह पूरी तरह पूर्व-नियोजित है।' विनेश ने कहा, 'हम अपने वकील के जरिए पहले ही जवाब दे चुके हैं। अब हम एक और विस्तृत जवाब तैयार कर रहे हैं, जिसमें अपनी ओर से हर संभव बात रखेंगे। लेकिन मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहती हूं जो नोटिस में लिखी गई हैं। उनमें से एक बिंदु विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से संबंधित था।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या हाल के घटनाक्रमों के बाद वह अदालत का रुख करेंगी, तो विनेश ने कहा, 'देखते हैं। हम अपनी क्षमता के अनुसार जो कुछ भी कर सकते हैं, करने की कोशिश करेंगे।' विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें वाडा से अनुमति मिल चुकी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार अपनी उपस्थिति' की जानकारी अपडेट नहीं की थी, जबकि खिलाड़ियों को तीन बार ऐसी छूट होती है। कोई भी शीर्ष खिलाड़ी कभी-कभी ऐसी भूल कर सकता है। उस समय मैं विधानसभा सत्र में व्यस्त थी और अपडेट करना भूल गई थी। इसके लिए मैंने वाडा से माफी भी मांगी।'

विनेश के अनुसार, 'वाडा ने मुझे क्लीन चिट दी और कहा कि मैं किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती हूं। लेकिन यहां (WFI) कहा जा रहा है कि वे संतुष्ट नहीं हैं। मैंने डोप टेस्ट के बाद ही प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं डोपिंग को लेकर पूरी तरह पाक-साफ हूं और हमेशा रही हूं। मैं किसी का हक नहीं छीन रही, बस अपने लिए निष्पक्ष मौका चाहती हूं।'

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही खेल में वापसी की सूचना दे दी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने जून में ही बता दिया था कि मैं फिर से कुश्ती शुरू कर रही हूं, आप मेरा टेस्ट (डोपिंग जांच) कर सकते हैं। मैंने उन्हें छह महीने का समय दिया। अब यह उनका अधिकार है कि वे कब टेस्ट करना चाहते हैं।' विनेश ने यह भी दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि एक जनवरी 2026 से वे अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नियम जानती हूं और वाडा के प्रति जवाबदेह हूं। मैंने ब्रेक के लिए अनुरोध किया था क्योंकि मैं गर्भवती थी। बाद में मैंने वापसी की सूचना भी दे दी थी।'

विनेश ने कहा कि पहलवानों को जिन असुरक्षाओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करना डब्ल्यूएफआई नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'मैं इतने वर्षों से इस दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरे मन में ये असुरक्षाएं हैं। डब्ल्यूएफआई के प्रमुख के तौर पर इन असुरक्षाओं को दूर करना आपकी जिम्मेदारी है।' पास के अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद विनेश ने WFI के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों से संबंधित विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) का नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता, क्योंकि उन्होंने जून में ही यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) को संन्यास के बाद दोबारा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

UWW के सूत्रों ने हालांकि बताया कि महासंघ उनके जवाब से संतुष्ट नहीं था। उनका मानना था कि पहलवान ने केवल पात्रता वाले पहलू पर ही बात की है, जबकि शनिवार को जारी विस्तृत नोटिस में उन पर लगाए गए व्यापक अनुशासनात्मक आरोपों का उन्होंने पूरी तरह से जवाब नहीं दिया है।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

रायपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है।इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी।इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की।इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है।इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है।वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है।वहीं इतने ही अंक लेकर सरनरइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है।इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी।मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया।ओवर की शुरुआत में वाइड और नो–बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए।बावा ने तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदें जगा दीं पर इसके बाद एक और वाइड से टीम को नुकसान हुआ।अगली गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर मैच एक बार फिर आरसीबी के पाले में कर दिया।इसके बाद आरसीबी को केवल गेंदों में तीन रन चाहिए थे।पांचवीं गेंद पर एक रन लेने के बाद अंतिम गेंद पर दो रन की जरूरत थी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

अगले प्रोजेक्ट में कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। जब इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ तो इसमें दिखाए गए बोल्ड सीन चर्चा का विषय बन गए। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि कियारा और यश के बीच फिल्म में कुछ बोल्ड सीन हैं। खबरें यह भी थीं कि कियारा ने मेकर्स से उन सीन को थोड़ा कम करने की गुजारिश की है। इस मामले पर अब कियारा ने रिएक्शन दिया है।

कियारा ने दिया रिएक्शन

इस तरह की खबरों को कियारा आडवाणी ने सिरे से खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने मेकर्स से बोल्ड सीन कम करने की गुजारिश की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें यश के साथ उनकी तस्वीर है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बिल्कुल बकवास!' कियारा के यह साफ करने के बाद कि ये खबरें झूठी हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में उनके और यश के बीच कोई बोल्ड सीन होंगे या नहीं।

इस वजह से टल गई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' इस साल मार्च में, ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट 4 जून 2026 तक के लिए टाल दी गई थी, ताकि यह फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' के साथ क्लैश होने से बच जाए। मगर कुछ दिनों पहले मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ाई जा रही है।

4 जून को नहीं रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'टॉक्सिक' पूरी हो चुकी है। हम इस समय इसके ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन को फिर से तय करने का फैसला किया है। हालांकि पहले घोषणा की गई थी कि हम इसे 4 जून को रिलीज नहीं करेंगे। हम इसे बाद में तय की गई किसी तारीख पर रिलीज करेंगे।'

कौन है फिल्म की निर्देशक

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का शेड्यूल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।' फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।'

उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

मेरे लिए 'लुक्खे' में गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्रिम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्टू सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।

आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या ज़िंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीज़न तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

आपकी फिल्म पिट्टू सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल ज़िंदगी में भी रूबरू हुई हैं?

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी ज़िंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं।

पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज़ की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी–85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी–148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली–110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com